

रेण नदी में डूबने से पिता-पुत्र और मेहमानी में आए दो सगे भाइयों की मौत

शनिवार को बिहार लौटने का था टिकट, क्षेत्र में शोक का माहौल

छ.ग.फ्रंटलाइन विश्रामपुर।

जिला मुख्यालय सूरजपुर से लगे ग्राम पंचायत सरस्वतीपुर के ढोंगट घाट स्थित रेण नदी में शनिवार को नहाने के दौरान गहरे पानी में डूबने से पिता-पुत्र और बिहार के कटिहार निवासी दो सगे भाइयों समेत 4 लोगों की मौत हो गई। हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं डूबे लोगों को नदी से बाहर निकालने में स्थानीय युवाओं ने सहयोग कर सराहनीय तत्परता दिखाई। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 10.30 बजे सूरजपुर के चंदरपुर ढूंढरा निवासी 45 वर्षीय विवेक सिंह पिता विद्यानंद सिंह अपने पुत्र 20 वर्षीय अभिजीत सिंह तथा कटिहार से मेहमानी करने आए 15 वर्षीय कृष्ण



गोपाल पिता जितेंद्र सिंह और 13 वर्षीय गोपाल कृष्ण पिता जितेंद्र सिंह के साथ दो स्कूटी क्रमांक सीजी 15 डीसी 9369 व सीजी 29 एई 5409 से ढोंगट घाट पहुंचे थे। यहां पर नहाने के दौरान चारों गहरे पानी में चले गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। चर्चा है

कि, मृतक हादसे से पहले सूरजपुर स्थित महामाया मंदिर भी गए थे। बताया जा रहा है कि मृतक अभिजीत अपने पिता का इकलौता पुत्र था जबकि सगे भाई कृष्ण गोपाल और गोपाल कृष्ण भी अपने माता-पिता के दो ही संतान थे।

स्थानीय युवाओं ने दिखाई हिम्मत

हादसे के दौरान ग्राम पंचायत सरस्वतीपुर निवासी मनीष सिंह पिता नाहर सिंह, कमल सिंह पिता साहेबा और गणेश सिंह पिता सूर्य नारायण सिंह ने नदी में डूबे लोगों को बाहर निकालने में सहयोग किया। संकट की घड़ी में तीनों युवाओं की तत्परता सराहनीय रही।

दो परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़

हादसे ने दो परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। विवेक सिंह पिछले करीब 12 वर्षों से चंदरपुर में पत्नी नेहा सिंह और बच्चों के साथ रह रहे थे। वे अडानी समूह में कार्यरत थे, जबकि उनकी पत्नी ब्यूटी पालर चलाती हैं। पिता-पुत्र की एक साथ मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अभिजीत इनका इकलौता पुत्र था। वहीं दोनों सगे भाइयों गोपाल कृष्ण व कृष्ण गोपाल के पिता जितेंद्र सिंह सेना में कार्यरत बताए जा रहे हैं। परिजनों के अनुसार दोनों बच्चों का शनिवार को ही बिहार के कटिहार लौटने का टिकट बुक था। घर वापसी की तैयारी के बीच हुए इस हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया।

मौके पर पहुंची पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही विश्रामपुर थाना प्रभारी निरीक्षक विकास देशमुख, प्रधान आरक्षक जयप्रकाश तिवारी व निरेंद्र द्विवेदी, आरक्षक अजय सिंह तत्काल दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। इनके द्वारा चारों शवों को निकलवाकर मौका पंचनामा करके पोस्टमार्टम हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विश्रामपुर में भिजवा दिया है।

‘आईजी ने पूछा-791 केस में कैसे बरी हुए आरोपी’

पॉक्सो में पीड़िता पलटी तो होगी कार्रवाई, एनडीपीएस में लापरवाही पर हुए नाराज

■ एक साल से लटके केस को जल्द निपटाने का दिया निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।

सर्गुजा रेंज आईजी दीपक कुमार झा ने गुरुवार को जिला कोरिया में संभाग स्तरीय दो बड़ी बैठकों में अपराध और कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। पहली बैठक में दोषमुक्ति के 791 प्रकरणों की गहन पड़ताल हुई, वहीं दूसरी बैठक में रेंज के सभी पुलिस अधीक्षकों के साथ लंबित अपराधों और नई कार्ययोजना पर चर्चा हुई।

बता दें कि, जुलाई-अगस्त माह में सेशन न्यायालय के 221 और लोअर न्यायालय के 570, कुल 791 मामलों में आरोपी बरी हो गए थे। आईजी दीपक कुमार झा ने हर जिले के अधिकारियों से पूछा कि दोषमुक्ति का वास्तविक कारण क्या था? उन्होंने कहा कि विवेचना की गुणवत्ता, साक्ष्य संकलन और अभियोजन की कमियों को दूर कर दोषसिद्धि



का प्रतिशत बढ़ाना होगा। उन्होंने हर जिले में नियमित समीक्षा करने को कहा। आईजी ने चिंता जताई कि बलात्कार और पॉक्सो एक्ट में दोषसिद्धि कम है। उन्होंने निर्देश दिया कि पीड़िता के धारा 164

सीआरपीसी और 183 बीएनएसएस के तहत दर्ज कथन को नियमानुसार साक्ष्य के रूप में न्यायालय में प्रदर्शित कराया जाए। अगर पीड़िता विचारण के दौरान पलटती है या पक्षदोही होती है तो

नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाए। साथ ही अगर कोई एफआईआर झूठी पाई जाए तो साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय से खात्मा, खारिजी लेकर झूठी शिकायत करने वालों पर भी कार्रवाई की जाए। उन्होंने ई-प्रासिक्व्यूशन के जरिए अभियोग पत्र समय से पहले अभियोजन अधिकारी को देने को कहा ताकि तकनीकी खामी का लाभ आरोपी को न मिले। उन्होंने सात साल से अधिक सजा वाले अपराधों में एफएसएल टीम से घटनास्थल निरीक्षण और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए।

एनडीपीएस और साइबर क्राइम पर नाराजगी

आईजी दीपक कुमार झा ने अपराधों की समीक्षा के क्रम में पाया कि एनडीपीएस एक्ट के कुछ मामलों में अनिवार्य प्रावधानों का पालन नहीं हो रहा। इस पर आईजी ने कड़ी आपत्ति और नाराजगी जताई। उन्होंने इकाई स्तर पर रिक्रेशर ट्रेनिंग कराने के लिए कहा।

दूसरे चरण में हुई पुलिस अधीक्षकों की बैठक

दूसरे चरण में आईजी ने एक साल से अधिक लंबित अपराध, लंबित खात्मा, एमआरएम, जीआरएम, एनसीआरपी, साइ-ट्रेन पोर्टल, एनटीएफ (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स), सड़क हादसों की रोकथाम, नेटग्रीड, ई-समस, ई-साक्ष्य, प्रशिक्षु एसआई के प्रशिक्षण और पुलिसकर्मियों के कल्याण योजनाओं की समीक्षा की। सभी जिलों को समयबद्ध निराकरण और तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग के निर्देश दिए। बैठक में डीआईजी/एसएसपी सर्गुजा राजेश अग्रवाल, एसएसपी जशपुर लाल उमेद सिंह, एसपी कोरिया हरीश राठौर, एसपी बलरामपुर वैभव बैकर, एसपी एमसीबी रत्ना सिंह सहित रेंज के अधिकारी और लोक अभियोजन अधिकारी मौजूद रहे।

करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से युवक की हुई थी मौत, 3 के विरुद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना सांतापुर क्षेत्र के ग्राम कुनकुरी बुर्द में गंगली सुअर मारने के लिए 11000 वोल्ट से फंसाए गए तार ने एक युवक की जान ले ली। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद तीन आरोपियों के खिलाफ गैर इश्वरान हत्या का मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, 18 अक्टूबर को रात 8 से 8.30 बजे के बीच मृतक सिंधु प्रकाश उर्फ सिंधु प्रकाश पिता साध राम 30 वर्ष निवासी ग्राम कुनकुरी बुर्द अपने भतीजे दुष्यंत ठाकुर के साथ बिड़िया मारने लांबा छोड़ा कि पास गया था। तभी वह करंट बिछे तार की चपेट में आ गया। करंट का प्रवाह इतना तेज था कि वह बुरी से तरह जल गया, और पैर की हड्डियां तक दिखाई दे रही थीं। मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटनास्थल पर दोनों पैरों में जोड़ाई तार बिपका हुआ था। दुष्यंत ने घर आकर इसकी जानकारी दी थी। गांव वालों के साथ स्वजन मौके पर पहुंचे तो सिंधु का शव बुरी तरह से जला हुआ पड़ा था। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके जांच में लिया था। जांच में सामने आया कि गांव के ही यश पाल चौहान पिता मंगल चौहान, ओम प्रकाश यदिया पिता साध राम 36 वर्ष और एक नाबालिग ने घटना दिनांक को गंगली सुअर मारने के लिए छड़ बांधने वाले जोड़ाई तार को छोटे-छोटे बांस की नुकीली सुई बनाकर लगभग 840 मीटर तक बिछाया था और उस तार को सोधे ट्रांसमार्मर के 11000 वोल्टेज तार से जोड़ दिया था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 105, 3(5) बीएएस का अपराध पंचाबद्ध कर विवेचना में लिया है।

मां-बेटे की हत्या से आहत आरोपी की पत्नी ने मिटाया माथे का सिंदूर

पति के लिए मांगी फांसी, एक करोड़ का बीमा कराने का दावा भी किया

छ.ग.फ्रंटलाइन विश्रामपुर।

मां-बेटे के चर्चित दोहरे हत्याकांड में आरोपी प्रवेश कुमार की पत्नी सरिता लकड़ा के बयान से मामला नया मोड़ लेता नजर आ रहा है। पति पर गंभीर आरोपों से आहत सरिता ने न केवल उससे रिश्ता खत्म करने का ऐलान किया, बल्कि अपने माथे से सिंदूर मिटाकर उसके लिए फांसी के सजा की मांग भी की। वहीं घटना से करीब 10-15 दिन पहले अपने नाम पर एक करोड़ रुपये का बीमा कराए जाने के दावे ने उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हालांकि बीमा पॉलिसी और हत्याकांड के बीच किसी संबंध की फिलहाल पुष्टि नहीं हुई है।

सरिता लकड़ा के मुताबिक उनके पति ने उनकी जानकारी और सहमति के बिना टाटा कंपनी में उनके नाम पर एक करोड़ रुपये का बीमा कराया था। उस समय उन्हें इसके पीछे की वजह का अंदाजा नहीं था, लेकिन मां-बेटे की हत्या की जानकारी मिलने के बाद अब वे इसे लेकर आशंकित हैं। उन्हें डर है कि कहीं वह भी किसी अनहोनी का शिकार तो नहीं हो सकती थीं। हालांकि यह उनकी आशंका है और इसकी सच्चाई जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। सरिता ने बताया कि घटना वाली रात जब उन्होंने प्रवेश से पूछा, तो उन्होंने पेंड्रा जाने की बात कही थी। उस समय उन्हें पति की कथित गतिविधियों या किसी वारदात की जानकारी नहीं थी। बाद में पुलिस के



माध्यम से दोहरे हत्याकांड की जानकारी मिली, जिससे वह स्तब्ध रह गई। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें पहले ही पति के कथित करतूतों का पता चल जाता, तो वह उनसे दूर हो जातीं। मौजूदा परिस्थितियों में उन्हें अपनी सुरक्षा की चिंता सता रही है। इसी वजह से उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सुरक्षा उपलब्ध कराने और मामले में निष्पक्ष जांच के साथ सख्त कार्रवाई की मांग की है। दोहरे हत्याकांड से आहत सरिता लकड़ा ने आरोपी पति से किसी भी तरह का संबंध रखने से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि इस घटना से उन्हें गहरा दुःख पहुंचा है, पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए। सरिता के अनुसार मां और बेटे की जान जाने से वे बेहद व्यथित हैं। उन्होंने आरोपी के लिए फांसी की सजा की मांग करते हुए कहा कि, अब वे प्रवेश कुमार के साथ नहीं रहना चाहती हैं। इसी भावनात्मक आघात के बीच उन्होंने अपने माथे से सिंदूर भी मिटा दिया। उनका यह कदम मामले के मानवीय पक्ष को सामने लाता है, जहां एक ओर दोहरे हत्याकांड से दो जिंदगियां खत्म हो गईं, वहीं दूसरी ओर आरोपी

की पत्नी भी इस घटना के बाद भय और मानसिक आघात से गुजरने की बात कह रही हैं। मृतिका रजनी बरेट और प्रवेश कुमार के बीच कथित संबंधों को लेकर पूछे जाने पर सरिता ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने प्रवेश के कथित बयान पर भी सवाल उठाए और कहा कि किसी भी परिस्थिति में इस घटना को उचित नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। सरिता के बयान के बाद उनके नाम पर कथित तौर पर कराई गई एक करोड़ रुपये की बीमा पॉलिसी, उसे कराने की परिस्थितियों और उसके उद्देश्य की जांच महत्वपूर्ण हो गई है। साथ ही उनके द्वारा जताई गई सुरक्षा संबंधी आशंका पर भी संबंधित अधिकारियों का ध्यान जाना जरूरी है। हालांकि बीमा पॉलिसी को हत्याकांड से जोड़ने या किसी संभावित साजिश का निष्कर्ष निकालने से पहले तथ्यों और साक्ष्यों की पुष्टि आवश्यक है। फिलहाल सरिता के आरोप और आशंकाएं जांच का विषय हैं। मामले की वास्तविक स्थिति जांच के निष्कर्षों से ही स्पष्ट होगी। सरिता की मांग है कि पीड़ित परिवार को न्याय मिले और दोष सिद्ध होने पर आरोपी को कानून के तहत कड़ी सजा दी जाए।

नाबालिगों को पॉलिटैक्निक कॉलेज मैदान में ले गए, बेरहमी से पीटा

बुलेट गैंग ने गाड़ी धीरे चलाने के लिए कहने पर गुंडागर्दी की चरम को पार किया

■ 15-20 लोगों ने बेखौफ घटना को दिया अंजाम, आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के नमनाकला पानी टंकी क्षेत्र में बुलेट गैंग की दबंगई का मामला सामने आया है। मोहल्ले में रोजाना तेज रफ्तार बुलेट से पटाखा फोड़ने और गाली-गलौज करके दहशत फैलाने वाले युवकों को एक नाबालिग ने सिर्फ इतना कहा- भैया गाड़ी आराम से चलाइए, तो आरोपियों ने उसे ही निशाना बना लिया। मामला कॉमल स्कूल और सत्यम कोचिंग के पास का है। जानकारी के मुताबिक, पानी टंकी क्षेत्र में कुछ युवक रोजाना बुलेट से स्टैंट करते हैं। 22 अक्टूबर को नाबालिग ने जब इनकी रफ्तार को देखकर विनम्रता से गाड़ी धीरे चलाने के लिए कहा तो आरोपियों ने इनके साथ मारपीट शुरू कर दी, बाद में दो नाबालिग बच्चों को जबरन उठाकर पॉलिटैक्निक कॉलेज मैदान में ले गए। यहां पहले से मौजूद 15-20 लड़कों ने दोनों नाबालिगों को बेरहमी से हाथ, मुक्का, लात से जमीन पर पटककर बेतहाशा पीटा। वायरल वीडियो में इनके द्वारा



दिखाई गई बेरहमी कैद हो गई है, जो पुलिस के संज्ञान में भी आया है। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी इनके द्वारा कई लोगों से गाली-गलौज और मारपीट की गई है। मोहल्ले में दहशत फैलाकर इनके द्वारा इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम दिया जाता है, जिससे बच्चे कोचिंग जाने से डर रहे हैं। पीड़ित परिवार और मोहल्ले वासियों ने पुलिस से आरोपियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि इस तरह की दबंगई पर रोक लगे, और लोग भयमुक्त होकर आना-जाना कर सकें।



छ.ग.फ्रंटलाइन बिलासपुर।

छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव शनिवार को बिलासपुर के सिरगिट्टी क्षेत्र पहुंचे, यहां उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए टीएस सिंहदेव ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि ढाई-ढाई साल के सीएम पद के फॉर्मूले से कांग्रेस को बड़ा नुकसान हुआ। ढाई-ढाई साल के सीएम पद के फॉर्मूले से नुकसान-सिंहदेव मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर पूछे जाने वाले सवालों पर सिंहदेव ने कहा कि पिछले

कार्यकाल में ढाई-ढाई साल के मुख्यमंत्री को लेकर मीडिया में लगातार चर्चाएं होती रहीं, जिससे काफी नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 के चुनाव से पहले मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इस तरह की चर्चाएं नहीं

थीं। उस समय सभी ने मिलकर चुनाव लड़ा और जनता का भरपूर समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आगे भी इसी नीति पर चलना चाहिए। ढाई ढाई साल के सीएम पद के फॉर्मूले से नुकसान हुआ है।

चुनाव में मुख्यमंत्री के चेहरे को पहले से सामने रखने की आवश्यकता नहीं है। पार्टी जिसे जिम्मेदारी देगी, वह उसे संभालेगा। सभी को मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए- टीएस सिंहदेव।

जनता से लगातार संपर्क बनाए रखना जरूरी-सिंहदेव

सिंहदेव ने संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा कि लोगों से निरंतर जुड़ाव बनाए रखना जरूरी है। चुनाव के समय जनता के बीच पहुंचने से वह संबंध नहीं बन पाता, जो लगातार संपर्क में रहने से बनता है। उन्होंने कहा कि जो लोग कांग्रेस के साथ हैं, वे पार्टी के साथ बने रहते हैं, लेकिन सामान्य नागरिकों से भी लगातार संवाद बनाए रखना जरूरी है। यदि कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय लोगों के बीच पहुंचते हैं, तो इससे अवसरवादिता का संदेश जाता है। इसलिए मंडल और सेक्टर स्तर के पदाधिकारियों को आम नागरिकों के बीच नियमित रूप से जाना चाहिए, उनके सुख-दुख में सहभागी बनना चाहिए- टीएस सिंहदेव, पूर्व डिप्टी सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मिले सिंहदेव

इससे पहले टीएस सिंहदेव ने कांग्रेस के सिरगिट्टी मंडल अध्यक्ष अजय मनहरे और सेक्टर अध्यक्ष शैलेश सेंगर के घर पहुंचकर मुलाकात की। उन्होंने परिवार के सदस्यों के बीच बैठकर हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने संगठन की मजबूती, जनता से निरंतर संपर्क और आगामी चुनावों की रणनीति को लेकर अपनी बात रखी। टीएस सिंहदेव ने कहा कि सिरगिट्टी आने का कार्यक्रम पहले से तय था, लेकिन समयाभाव के कारण पहले यहां नहीं पहुंच पा रहे थे। आज अपने लोगों के बीच आने का अवसर मिला, जिससे उन्हें काफी अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि उन्हें भाषण देने के बजाय लोगों के बीच बैठकर बातचीत करना और उनके सुख-दुख को जानना अधिक पसंद है।

(बालाजी क्लीनिक)

मद्रासी दवाखाना

Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं सूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

डॉ. के.एम. राव

एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

डबल मर्डर का आरोपी एक दिन की पुलिस रिमांड के बाद जेल दाखिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत केशवनगर के ममता कालोनी निवासी शिक्षिका और उसके बेटे के हत्या के आरोपी प्रवेश कुमार को पुलिस ने शनिवार को एक दिन का न्यायालय से पुलिस रिमांड प्राप्त कर देर शाम पुनः जेल दाखिल करा दिया है। बताया जा रहा है कि शनिवार को पुलिस ने न्यायालय से आरोपी प्रवेश का एक दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया था। पुलिस सुबह से आरोपी को अपने साथ लेकर कुछ शेष समानों की बरामदगी किया और फिर देर शाम पुनः उसे जेल दाखिल करा दिया है। आज दूसरे दिन आरोपी के चेहरे पे थोड़ी सी भी शिकन नहीं दिखी और देखने से उसके चेहरे के भाव से सबकुछ पहले जैसा सामान्य प्रतीत हो रहा था।

28 अक्टूबर को मुख्यमंत्री का ग्राम पंचायत चिरई में प्रवास प्रस्तावित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का 28 अक्टूबर को शंकरगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत चिरई में आगमन प्रस्तावित है। इसके मद्देनजर कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने आज कार्यक्रम स्थल पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने हेलीपैड स्थल, मंच, बैठक व्यवस्था, पार्किंग, आवागमन, पेयजल, स्वच्छता, सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी तैयारियाँ निर्धारित तिथि से पूर्व सम्यक् रूप से पूर्ण कर ली जाएँ और विभागीय समन्वय के साथ दायित्वों का निर्वहन किया जाए, ताकि कार्यक्रम सुखस्थित एवं गरिमामय ढंग से संपन्न हो सके।

चांगरों में जीराफूल चावल पर संवाद

किसानों और समूह की दीदियों को आर्थिक संबल देने का संकल्प

जैविक जीराफूल चावल से समृद्ध होंगे चांगरो के किसान, विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैकरा व कलेक्टर ने विशेष कार्ययोजना बनाकर ब्रांडिंग का दिया भरोसा



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शंकरगढ़ विकासखंड के ग्राम चांगरो में सामरी विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैकरा, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी एवं जिला पंचायत सीईओ श्री आशुतोष चतुर्वेदी ने ग्रामीणों के बीच जमीन में बैठकर आत्मीय चर्चा की। गांव के कृषक वर्षों से जीराफूल चावल की जैविक खेती कर इस पारंपरिक धरोहर को सहेजे हुए हैं। अतिथियों ने किसानों के इस प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें और अधिक उत्साह के साथ खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जीराफूल चावल एक पारंपरिक, सुगंधित और छोटे दाने वाली किस्म है, जिसके पतले दाने जौरे के समान होने के कारण इसे यह नाम मिला है। मार्च 2019 में जीआई टैग प्राप्त यह चावल अपने प्राकृतिक मीठेपन और मनमोहक सुगंध के लिए विख्यात है, जिसकी खुशबू पकते समय आसपास के घरों तक फैल जाती है। हल्का और

सुपाच्य होने के साथ ही यह क्षेत्र के सबसे महंगे चावलों में शुमार है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 100 से 120 रुपये प्रति किलो तक है। सामरी विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैकरा ने ग्रामीणों को



रासायनिक खाद से दूरी बनाकर जैविक पद्धति से खेती करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि चांगरो का जीराफूल चावल हमारी अनमोल पहचान है और इसकी सुगंध को केवल जिले तक सीमित न रखकर राज्य और देशभर में पहुँचाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस खेती से जुड़े किसानों

और महिलाओं की समृद्धि के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि राज्य शासन के सहयोग से जीराफूल चावल की बेहतर मार्केटिंग सुनिश्चित

उत्पादन क्षेत्र का विस्तार करने का प्रयास भी किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि जीराफूल उत्पादक किसानों और इस कार्य से जुड़ी स्व सहायता समूह की दीदियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रशासन हर आवश्यक कदम उठाएगा।

चांगरो में जीराफूल की खेती से 10 स्व सहायता समूह सक्रिय रूप से जुड़े हैं, जिनमें प्रत्येक समूह में 12 से 15 महिलाएँ कार्यरत हैं। कलेक्टर ने इन समूहों को शंकरगढ़ में स्थापित आत्मनिर्भर बलरामपुर एफ़्सीओ (किसान उत्पादक संगठन) से जोड़ने के निर्देश दिए, जिससे किसानों को कम लागत पर उच्च गुणवत्ता की कृषि सामग्री एवं सेवाएँ उपलब्ध हो सकें। किसानों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से क्षेत्र में राइस मिल तथा पारंपरिक लकड़ी की ढेंकी के आधुनिक स्वरूप इलेक्ट्रिक ढेंकी की स्थापना पर भी चर्चा की गई।

बस्तामुक्त विद्यालय रुनियाडीह का डीईओ ने किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह का जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा द्वारा निरीक्षण किया गया। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने बताया कि डीईओ द्वारा विद्यालय की अध्ययन शैली की जानकारी ली गई। संस्था के बच्चों का भाषाई दक्षता, गणितीय सक्रियताओं सहित पहाड़ा, ककहरा व पुस्तक पठन-पाठन की भी जानकारी ली गई।

संस्था प्रमुख द्वारा संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में बच्चों के भाग लेने एवं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में संभाग का नेतृत्व करने की बात बताई। डीईओ द्वारा उपस्थित बच्चों को माता-पिता तथा गुरुजन के बताए मार्ग पर चलने, प्रतिदिन विद्यालय पढ़ने आने, पढ़ी गई विषय वस्तु को शाम के समय बैठकर पढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। आपने उपस्थित बच्चों को सतत रूप से पठन-पाठन से जुड़े रहने हेतु

कहा गया। उन्होंने संस्था के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था, आंतरिक एवं बाह्य साज-सज्जा, विद्यालय की प्रिंट रिच व्यवस्था, किचन गार्डन, केलाबाड़ी, सक्रिय बाल



कैबिनेट, इको एवं यूथ क्लब इत्यादि का निरीक्षण कर इसे अन्य विद्यालयों हेतु अनुकरणीय बताया। आगामी दिनों में विकासखंड के अन्य संकुलों की बैठक यहां लेकर स्कूलों की शैक्षिक सुधार हेतु प्रेरित करने की बात कही गई। इस दौरान सहायक संचालक शिक्षा अजय सिंह, खंड स्कोत समन्वयक मनोज कुमार मंडल, संकुल समन्वयक विजेन्द्रलाल जायसवाल, एसएमसी अध्यक्ष कौशल्या राजवाड़े, पूर्व अध्यक्ष

एनवति राजवाड़े, शिक्षक रिजवान अंसारी, एम. टोपपो व अन्य उपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा वीरगाथा 6.0 के निबंध प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान

प्राप्त क्रमशः शुभम विश्वकर्मा, वंदना राजवाड़े तथा सानिया यादव, भाषण में पायल राजवाड़े प्रथम, वर्षा राजवाड़े द्वितीय तथा सुनीता सिंह तृतीय, चित्रकला में प्रथम शान्ति सिंह, द्वितीय विनीता राजवाड़े, तृतीय दिविका विश्वकर्मा, स्वच्छता एवं पर्यावरण आधारित चित्रकारी में प्रथम शान्ति सिंह, द्वितीय दिविका विश्वकर्मा तथा तृतीय कविता सिंह रहे, जिन्हें कॉपी-पेन देकर सम्मानित किया गया।

अवैध खनिज परिवहन पर प्रशासन की सख्ती, आठ रेत लोड वाहन जब्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन एवं परिवहन पर



कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को माइनिंग अधिकारी के नेतृत्व में अवैध खनिज परिवहन करते पाए जाने पर 11

वाहनों पर कार्यवाही की गई। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत राजापुर में 8 टोंपर रेत लोडकर अवैध परिवहन करते पाए जाने पर

कार्यवाही की गई है। जब्त वाहनों को जयनगर पुलिस की अभिरक्षा में सौंपा गया है छ ज्ञात हो कि 15 अक्टूबर के बाद से रेत तस्करोँ द्वारा खुले आम बेखौफ तरीके से नदियों में वाहन उतारकर रेत का परिवहन किया जा रहा है। जिले से रोज सैकड़ों मिनी ट्रक रेत संभाग मुख्यालय अंबिकापुर ले जाया जा रहा है।

निधन आरएस गिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। एसईसीएल विश्रामपुर के सेवानिवृत्त फोरमैन इंचार्ज आरएस गिल का शनिवार को निधन हो गया, वे 92 वर्ष के थे। वे पिछले दो तीन माह से अस्वस्थ चल रहे थे। स्व. गिल विश्रामपुर आमगांव में पदस्थ वरिष्ठ ओवर मैन लखनवीर सिंह गिल उर्फ बब्बू, बंत गिल के पिता थे। उनका अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा।



शरद पूर्णिमा पर कोयलांचल में गूंजेगा बाबा श्याम का जयकारा



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। शरद पूर्णिमा के अवसर पर विश्रामपुर का माहौल बाबा श्याम की भक्ति और भजनों की मधुर धुन से भक्तिमय होने जा रहा है। श्री श्याम सलोना परिवार विश्रामपुर की ओर से सोमवार 26 अक्टूबर को शाम 7.30 बजे नगर के अग्रसेन भवन में तृतीय वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में भव्य श्याम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर श्याम भक्तों में उत्साह है। कार्यक्रम में बाबा श्याम का आकर्षक दरबार सजाने के साथ अखंड ज्योत प्रचलित की जाएगी और छप्पन भोग अर्पित कर विधिवत पूजा-अर्चना की

जाएगी। श्याम संकीर्तन के दौरान भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अनुष्ठान देखने को मिलेगा। बाबा के दरबार में इत्र वर्षा और फूलों की वर्षा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहेगी।

वहीं भक्तों के लिए श्याम रसोई की व्यवस्था भी की गई है, ताकि श्रद्धालु बाबा के दर्शन और भजनों का आनंद लेने के साथ प्रसाद ग्रहण कर सकें। इस भव्य संकीर्तन में बाबा श्याम का गुणगान करने हरियाणा के राहुल शर्मा कनानी, जशपुर जिले के कोटबा से संदीप शर्मा तथा कोरबा की कल्याणी मित्तल पहुंचेंगी। इन भजन गायकों की प्रस्तुतियों से पूरा आयोजन

श्याममय होने की उम्मीद है। वहीं राहुल अग्रवाल द्वारा बाबा श्याम का भव्य एवं मनमोहक श्रृंगार किया जा रहा है, जो दरबार की दिव्यता को और खास बनाएगा। श्री श्याम सलोना परिवार विश्रामपुर ने क्षेत्र के सभी श्याम प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर बाबा श्याम के दर्शन करने, भजनों का आनंद लेने और इस भक्तिमय आयोजन का सहभागी बनने की अपील की गई है। शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित यह वार्षिक उत्सव श्रद्धालुओं के लिए आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का विशेष अवसर बनेगा।

श्रम विभाग की पहल से श्रमिक को मिला 22,500 रुपए का लंबित पारिश्रमिक, दोनों पक्षों की सहमति से कार्यालय में कराया गया भुगतान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। श्रमिकों के हितों की रक्षा और उन्हें न्याय दिलाने की दिशा में श्रम विभाग द्वारा निरंतर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आवेदक श्री महानन्द कुशवाहा का मजदूरी कार्य का पारिश्रमिक लंबित होने पर उन्होंने भुगतान हेतु कार्यालय श्रम पदाधिकारी, बलरामपुर में आवेदन प्रस्तुत किया था। प्रकरण दर्ज कर विभाग ने दोनों पक्षों को सूचित करते हुए कार्यालय में उपस्थित होने को कहा। आज 23 अक्टूबर को दोनों पक्षों की उपस्थिति में हुई चर्चा के बाद वे मजदूरी राशि अदा करने पर एकमत हुए, जिसके पश्चात् श्रम पदाधिकारी के समक्ष श्रमिक को 22,500 रुपए की मजदूरी राशि का भुगतान कराया गया। श्रम पदाधिकारी ने नियोजकों एवं मालिकों से अपील की है कि श्रमिक समाज का महत्वपूर्ण अंग हैं और उनसे कार्य लेने पर समय पर मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करना नियोजक का दायित्व है। ऐसा न करने की स्थिति में श्रम अधिनियमों के अंतर्गत दंड एवं आवश्यक वैधानिक कार्यवाही का प्रावधान है।



मां-बेटे की निर्मम हत्या से क्षेत्र में शोक, कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत केशवनगर के ममता कालोनी में मां-बेटे की निर्मम हत्या की घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस हृदयविदारक घटना में जान गंवाने वाले मां-बेटे को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए कांग्रेस मंडल कमेट्री शिवनन्दनपुर के तत्वाधान में विश्रामपुर बस स्टैंड में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। साथ ही इस जघन्य अपराध में संलिप्त आरोपी को फांसी की सजा दिए जाने की मांग उठाई। श्रद्धांजलि सभा के दौरान उपस्थित नेताओं ने कहा कि मां-बेटे की हत्या की घटना बेहद दुःखद और विचलित करने वाली है। इस तरह की घटनाएं समाज को झकझोर देती हैं। एक मां और उसके बेटे को इस तरह निर्मम हत्या से

क्षेत्र के लोगों में गहरा दुख व्याप्त है। नेताओं ने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पीड़ित परिवार के दुख को भरपाई संभव नहीं है,



लेकिन न्याय सुनिश्चित करना समाज और कानून व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सभा में वरिष्ठ कांग्रेस नेता राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद सदस्य सुभाष गोयल ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए मांग किया कि मामले की निष्पक्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से दोषियों को कठोरतम सजा दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे जघन्य अपराधों में दोष सिद्ध होने पर कानून के तहत

सख्त से सख्त दंड मिलना चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और समाज में कानून के प्रति विश्वास मजबूत हो। नेताओं ने कहा कि

किसी भी सभ्य समाज में हिंसा और जघन्य अपराधों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। ऐसी घटनाओं पर प्रभावी कार्यवाही के साथ-साथ अपराधियों को कानून के दायरे में लाकर न्याय सुनिश्चित करना आवश्यक है। श्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुभाष गोयल सहित रमेश दनोदिया, नरेंद्र जैन राजू सिंह, आशीष यादव एवं अन्य कांग्रेस नेताओं ने मामले में जिला पुलिस की

तत्परता और गंभीरता की सराहना की। नेताओं ने पुलिस प्रशासन द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुए की गई कार्रवाई पर संतोष व्यक्त कर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गंभीर आपराधिक घटनाओं में पुलिस की त्वरित कार्रवाई और निष्पक्ष जांच बेहद महत्वपूर्ण होती है। इससे पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद मजबूत होती है और आम नागरिकों का कानून व्यवस्था पर भरोसा बना रहता है। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं उपस्थित लोगों ने मां-बेटे को श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में पवन अग्रवाल, राजू सिंह, मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद चंदन सिंह, नगर पंचायत उपाध्यक्ष अंशुल गोयल, विनय सिंह, रामलाल सोनी, पार्षद अहमद वाहिद, विजेंद्र सिंह, लखन सोनी, रामनारायण सिंह, रामआश्रय यादव, मेहताब आलम, मंटू राम सोडिल्य, असगर अली, विनय यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने प्राथमिक शाला जशवन्तपुर का किया अवलोकन, शिक्षकों को समय सारणी के पालन और पाठ्यक्रम समय पर पूर्ण करने के निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने आज प्राथमिक शाला जशवन्तपुर का अवलोकन कर विद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम, अध्यापन व्यवस्था तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों से कक्षावार पढ़ाई की स्थिति पर चर्चा कर शिक्षण गतिविधियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि प्राथमिक स्तर पर मजबूत शैक्षणिक नींव ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का आधार है, इसलिए इस स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना



सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा कक्षाओं में उनकी शत-प्रतिशत सहभागिता बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि प्रत्येक बच्चा सीखने की प्रक्रिया से सक्रिय

रूप से जुड़ सके। श्रीमती त्रिपाठी ने शिक्षकों को निर्धारित समय सीमा में पाठ्यक्रम पूर्ण करने, स्वयं की नियमित उपस्थिति बनाए रखने तथा समय सारणी का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुशासित और व्यवस्थित अध्यापन से ही विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में अपेक्षित सुधार संभव है। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी एवं अनुविभागीय अधिकार रा. श्री अनमोल विवेक टोपपो उपस्थित थे।

गन्ना उत्पादक किसान शक्कर कारखाने के अभिन्न अंग-रेना जमील

माँ महामाया शक्कर कारखाना में हुआ गन्ना कृषक चौपाल एवं प्रशिक्षण कार्यशाला
कलेक्टर ने किसानों से संवाद कर गन्ना उत्पादन बढ़ाने किया प्रोत्साहित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना करता में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की उपस्थिति में गन्ना कृषक चौपाल एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में गन्ना उत्पादन, रकबा विस्तार, रिकवरी बढ़ाने, किसानों को समय पर भुगतान तथा कारखाने के सुचारू संचालन सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, अनुविभागीय अधिकारी रमेश मोर, कारखाना प्रबंधन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गन्ना उत्पादक किसान उपस्थित रहे। चौपाल के दौरान कलेक्टर ने किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने। किसानों ने गन्ने के भुगतान में देरी, खेती की बढ़ती लागत, श्रमिकों की उपलब्धता तथा कारखाने के संचालन से जुड़ी समस्याएं रखीं। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती जमील ने कहा कि शासन के निर्धारित नियमों के अनुरूप क्रियान्वयन की जाएगी। उन्होंने किसानों को शासन द्वारा 355 रुपये से बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि

दर के बारे में अवगत कराया तथा शासन द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि गन्ना उत्पादक किसान शक्कर कारखाने के अभिन्न अंग हैं। किसानों के सहयोग एवं उत्पादन पर ही कारखाने का संचालन निर्भर करता है। उन्होंने जिले में गन्ने के घटते उत्पादन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व में लगभग 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती होती थी, जो घटकर लगभग 6 हजार हेक्टेयर रह गई है। उन्होंने कहा कि कारखाने की स्थापित क्षमता का वर्तमान में 50 प्रतिशत भी उपयोग नहीं हो पा रहा है।



पर्याप्त मात्रा में गन्ने की उपलब्धता सुनिश्चित होने से कारखाने का संचालन अधिक दिनों तक किया जा सकेगा, जिससे किसानों के साथ स्थानीय श्रमिकों की भी लाभ मिलेगा। वर्तमान में लगभग 600 श्रमिकों को तीन माह तक रोजगार मिल पा रहा है, जबकि कारखाने का पूर्ण क्षमता से संचालन होने पर रोजगार की अवधि छह माह तक बढ़ सकती है। कलेक्टर ने गन्ने से शक्कर की रिकवरी दर पर चर्चा



करते हुए कहा कि पूर्व विगत वर्षों में रिकवरी लगभग 14 प्रतिशत रही है वर्तमान में रिकवरी लगभग 9 प्रतिशत है, इसे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने विगत दो-तीन वर्षों से रिकवरी में आ रही गिरावट के कारणों की समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक उपाय अपनाने की बात कही। उन्होंने गन्ने की गुणवत्ता, कटाई एवं पेराई के बीच समय-अंतराल कम करने पर विशेष जोर देते हुए कटाई के

48 घंटे के भीतर गन्ने की पेराई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने किसानों को शरदकालीन गन्ने की खेती, उन्नत कृषि तकनीक एवं ड्रिप सिंचाई पद्धति अपनाकर उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से कहा कि जिले में खाद आवश्यक मात्रा में उपलब्ध है। गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी तथा किसानों

को आवश्यकता के अनुरूप कृषि संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को किसानों के लिए प्रक्षेत्र भ्रमण, फसल प्रदर्शन कराने के निर्देश दिए। कार्यशाला में कारखाना प्रबंधक ने शक्कर के विक्रय एवं किसानों को भुगतान की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार से शक्कर विक्रय की अनुमति चरणबद्ध तरीके से प्राप्त होती है, जिसके कारण विक्रय से राशि भी किस्तों में प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि भुगतान की प्रक्रिया में शासन के निर्धारित प्रावधानों का पालन करते हुए किसानों को प्राथमिकता से भुगतान करने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यशाला में किसानों को गन्ना विकास योजना, उन्नत उत्पादन तकनीक, सिंचाई प्रबंधन एवं उत्पादन वृद्धि के उपायों की जानकारी भी दी गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को किसानों की समस्याओं के समाधान तथा गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती जमील ने सड़क सुरक्षा के प्रति भी जागरूक करते हुए किसानों से अपील की है कि वे नालाफलों को वाहन चलाने न दें तथा शराब के नशे में वाहन चलाने से स्वयं बचें अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। उन्होंने सभी से यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया।

शब्दबीज का अनूठा प्रयोग, शब्द उत्सव में गांव की गलियों से कक्षा तक सीखने का चल रहा उत्सव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की प्राथमिक शालाओं में संचालित शैक्षिक नवाचार शब्दबीज के तहत शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड में शनिवार को बैंगलेस डे के अवसर पर साप्ताहिक शब्द उत्सव का आयोजन किया गया। प्रधानपाठक गौतम शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर स्थानीय परिवेश के प्रत्यक्ष अवलोकन और गतिविधियों के माध्यम से अब तक सीखे गए शब्दों की पुनरावृत्ति कराई गई।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को गांव के आसपास के स्थानीय परिवेश का भ्रमण कराया गया। इस दौरान उन्होंने धान, चावल,



जमीन, कोठार और पत्थर जैसी परिचित वस्तुओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। बच्चों को इन वस्तुओं के नाम, पहचान और उपयोग से जोड़कर शब्दों का अर्थ समझाया गया। इससे उन्हें शब्दों को केवल याद करने के बजाय वास्तविक जीवन की वस्तुओं से जोड़कर समझने का अवसर मिला।

विद्यालय परिसर में भी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से टेला, बोरी, गेहूं, महकना और फूंक मारना जैसे शब्दों की पुनरावृत्ति कराई गई। बच्चों ने वस्तुओं को देखकर, गतिविधियों में भाग लेकर और अपने अनुभव साझा करते हुए शब्दों को समझा। इस रोचक एवं सहभागितापूर्ण शिक्षण प्रक्रिया ने बच्चों की जिज्ञासा बढ़ाने के

साथ उनकी शब्द पहचान, समझ और अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में शिक्षिका श्रीमती मंजू कुजूर का विशेष सहयोग रहा। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ शब्द उत्सव की गतिविधियों में भाग लिया। इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि जब सीखने की प्रक्रिया को बच्चों के आसपास के परिवेश और दैनिक जीवन से जोड़ा जाता है, तो शिक्षा अधिक सहज, रुचिकर और प्रभावी बन जाती है। शब्दबीज नवाचार के माध्यम से विद्यालय में शब्द सीखने की प्रक्रिया को अनुभव, गतिविधि और व्यवहार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि बच्चे नए शब्दों को समझने के साथ उनका दैनिक जीवन में भी प्रयोग कर सकें।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में 31 अक्टूबर तक राष्ट्रीय पुलिस झण्डा दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा पुलिस शहीदों के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को स्मरण करने के साथ-साथ पुलिस की भूमिका एवं योगदान के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बीते शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल की उपस्थिति में यहां पुलिस लाइन में विभिन्न खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों की दो टीमों के बीच रस्सा खींच प्रतियोगिता आयोजित की गई।



प्रतियोगिता में अधिकारियों ने पूरे उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ भाग लिया। इस आयोजन के माध्यम से पुलिसकर्मियों में आपसी समन्वय, टीम भावना और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय पुलिस झण्डा दिवस पुलिस के शहीदों के शौर्य, साहस और सर्वोच्च बलिदान को

याद करने तथा उनके योगदान से नई पीढ़ी को परिचित कराने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस दौरान जिले के विभिन्न ग्रामों एवं शैक्षणिक संस्थानों में पुलिस के वीर शहीदों को शौर्यगाथाओं और उनके योगदान की जानकारी दी जाएगी। साथ ही ह्वाराष्ट्र निर्माण में पुलिस की भूमिका विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर विद्यार्थियों एवं

आमजन को पुलिस के कर्तव्यों, दायित्वों और राष्ट्र के प्रति समर्पण से अवगत कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ और फिट रहना अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार की खेलकूद गतिविधियां न केवल शारीरिक क्षमता को बेहतर बनाती हैं, बल्कि आपसी सहयोग, अनुशासन, टीम भावना और कार्यक्षमता को भी मजबूत करती हैं। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, सीएसपी बेनाई कुजूर, एसडीओपी प्रतापपुर अनूप एक्का, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, स्टेशनो पुष्पेन्द्र शर्मा सहित विभिन्न थाना-चौकी प्रभारी तथा पुलिस लाइन एवं जिले के विभिन्न थानों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सस्ती दवाएं और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं प्राथमिकता हों: राज्यपाल रमेन डेका

एपिकॉन-2026 में नकली दवाओं पर रोक और छत्तीसगढ़ की वनोपधियों पर वैज्ञानिक शोध पर दिया जोर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर, - राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि सस्ती दवाएं, किफायती इलाज और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना देश की प्रमुख चुनौतियां हैं। इसके लिए चिकित्सकों, फार्मासिस्टों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने नकली दवाओं पर रोक लगाने तथा छत्तीसगढ़ की वनोपधियों और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर वैज्ञानिक शोध की आवश्यकता पर जोर



दिया। राज्यपाल शनिवार को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में एसोसिएशन ऑफ फार्मास्यूटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया (एपीटीआई) के 28वें राष्ट्रीय अधिवेशन ह्यूपिकॉन-2026 के संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और

शिक्षा को केवल कारोबार नहीं, बल्कि समाजसेवा का माध्यम माना जाना चाहिए। दवाओं की कीमत आम लोगों की पहुंच में होनी चाहिए और चिकित्सकों को मरीजों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए कम कीमत वाली प्रभावी दवाओं के विकल्प अपनाने चाहिए।

जनजातीय क्षेत्रों के पारंपरिक ज्ञान पर शोध जरूरी

डेका ने जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं, माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदायों, विशेषकर बैगा समुदाय के पास औषधीय पौधों और पारंपरिक उपचार पद्धतियों का महत्वपूर्ण ज्ञान है। इसका वैज्ञानिक अध्ययन और दस्तावेजीकरण कर आधुनिक शोध के आधार पर उपयोगिता का आकलन किया

जाना चाहिए।

नकली दवाएं स्वास्थ्य

व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा

राज्यपाल ने नकली दवाओं को मरीजों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर खतरा बताया। उन्होंने कहा कि इससे चिकित्सा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर होता है। दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में फार्मेसी के विद्यार्थियों, शिक्षकों और दवा उद्योग को जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और इंटरनेट का उपयोग ज्ञान बढ़ाने के लिए करने तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मौलिक चिंतन और नैतिक मूल्यों को महत्व देने की अपील की।

संभाव स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता: परसोड़ी ने मेंडरा को 2-0 से हराया, सरगुजा इलेवन-रेलवे करंजी का मैच ड्रॉ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। गांधी स्टेडियम में आयोजित संभाव स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता-2026 के सुपर लीग मुकाबलों में परसोड़ी ने मेंडरा को 2-0 से शिकस्त दी, जबकि सरगुजा इलेवन और रेलवे करंजी के बीच खेला गया दूसरा मुकाबला गोलरहित ड्रॉ रहा। प्रतियोगिता के चौथे दिन पहले मुकाबले में परसोड़ी और मेंडरा की टीमों आमने-सामने थीं। परसोड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले हाफ में एक गोल की बढ़त बनाई। दूसरे हाफ में भी टीम ने आक्रामक खेल जारी रखा और एक और गोल दागकर 2-0 से जीत दर्ज की। दिन का दूसरा मुकाबला सरगुजा इलेवन और रेलवे करंजी के बीच



खेला गया। दोनों टीमों ने बेहतर तालमेल के साथ गोल करने के कई प्रयास किए। दूसरे हाफ में भी मुकाबला रोमांचक रहा और दोनों ओर से लगातार हमले हुए, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। अंततः मुकाबला 0-0 से बराबर रहा और दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। मैचों के दौरान निर्णायक दिनेश तिकी, सुशील, ललित किशोर और राम बहादुर

लांबा उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सचिव दीपक कुजूर तथा उप सचिव दिनेश जायसवाल और कमलेश किस्कोट्टा भी मौजूद थे।

आज होंगे दो मुकाबले

प्रतियोगिता के अगले दिन पहला मैच तालपारा और बालसेड़ी के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरे मुकाबले में कपसरा की भिड़ंत कोटेया से होगी।

केदमा में पेड़ एक-जीवन अनेक अभियान शुरू, 50 फलदार पौधे रोपे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

केदमा (उदयपुर)। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उज्ज्वल हसदेव-उन्नत सरगुजा समाजसेवी संस्था, अंबिकापुर ने हूपेड़ एक-जीवन अनेक वृक्षारोपण एवं संवर्धन अभियान शुरू किया है। इसके तहत उदयपुर विकासखंड के आदिवासी ग्राम केदमा स्थित विद्युत सब स्टेशन परिसर में 50 फलदार पौधे रोपे गए। साथ ही पौधों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केदमा के उपसरपंच मूलचंद अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि जनपद सदस्य नागेश्वरी सिंह, वन विभाग के



वनपाल गिरीश बहादुर सिंह और विद्युत विभाग के लाइनमैन मोहर साय उपस्थित रहे। अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष संतोष दास सरल ने की। अभियान के दौरान आम, जामुन, सीताफल, अमरुद और शहतूत सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। इसमें स्कूली विद्यार्थियों,

शिक्षकों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वृक्षों का संरक्षण भी जरूरी: अग्रवाल

मुख्य अतिथि मूलचंद अग्रवाल ने कहा कि संस्था द्वारा वृक्षारोपण के साथ उनके संवर्धन का संकल्प लेना अत्यंत सराहनीय है। पौधे

लगाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखकर वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल करना भी जरूरी है। जनपद सदस्य नागेश्वरी सिंह ने कहा कि अभियान से स्कूली बच्चों को जोड़कर पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने की संस्था की पहल सराहनीय है। उन्होंने संस्था को शुभकामनाएं देते हुए ऐसे जागरूकता अभियान निरंतर चलाने की अपील की। संस्था के अध्यक्ष संतोष दास सरल ने अतिथियों, ग्रामीणों और विद्यार्थियों के सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि संस्था भविष्य में भी पेड़ एक-जीवन अनेक अभियान के माध्यम से वृक्षारोपण और पौधों के संरक्षण के लिए प्रयास जारी रखेगी।

जल संसाधन विभाग में बड़ा फेरबदल, 15 अधिकारियों के तबादले

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल संसाधन विभाग में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। जारी तबादला सूची में अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता और अनुविभागीय अधिकारी स्तर के कुल 15 अधिकारियों के नाम शामिल हैं। तबादलों के तहत कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जबकि कुछ को अलग-अलग जल संसाधन संभागों में पदस्थ किया गया है। बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, धमतरी, जशपुर, कवर्धा, गरियाबंद, बेमेतरा और जगदलपुर समेत कई क्षेत्रों में अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है।



कई संभागों में बदली अधिकारियों की जिम्मेदारी

तबादला सूची के अनुसार, आर.के. बंजारे को जल संसाधन मंडल बिलासपुर के अधीक्षण अभियंता पद से हटाकर मुख्य अभियंता कार्यालय, हसदेव कछार जल संसाधन विभाग, बिलासपुर में अधीक्षण अभियंता

की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, टी.आर. मेश्राम को मुख्य अभियंता कार्यालय, महानदी परियोजना रायपुर से जल संसाधन संभाग मनेंद्रगढ़-भरतपुर भेजा गया है। मनेंद्रगढ़-भरतपुर में कार्यपालन अभियंता के रूप में कार्यरत एन.सी. सिंह को मुख्य अभियंता कार्यालय, मिनीमाता हसदेव बांगो परियोजना, बिलासपुर में पदस्थ किया गया है।

एल.डी. रैकवार को महासमुंद जिले के पिथौरा स्थित जल संसाधन उपसंभाग से कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन विभाग जशपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रायपुर, कसडोल और धमतरी में भी बदलाव

शिव कुमार गिलहरे को रायपुर के सिविल लाइन स्थित जल संसाधन उपसंभाग से कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग कसडोल बनाया गया है। बी.एल. खण्डेल को भाटपारा उपसंभाग से कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग धमतरी की जिम्मेदारी दी गई है।

कुछ तो गंभीर चल रहा है सावधानी रखनी होगी

वैश्विक कूटनीति और आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर पिछले कुछ समय से जो सुगुब्गाहट चल रही थी, वह अब एक बेहद खतरनाक और सुनिश्चित नेटवर्क के रूप में सामने आने लगी है। अमेरिकी समाचार चैनल फॉक्स न्यूज की हालिया रिपोर्ट "ग्लोबल केआइएस अंड ग्रीन टू 101 ग्रुप्स" ने जिन तथ्यों को उजागर किया है, वे न केवल चौंकाने वाले हैं, बल्कि दुनिया के लोकतांत्रिक देशों के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी भी हैं। फ्रांस की सड़कों पर भड़के दंगे और भारत में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों के तार आपस में जुड़े हुए हैं। यह कोई स्थानीय या स्वतः स्फूर्त जनक्रोश नहीं, बल्कि 9 देशों के 101 संगठनों का एक ऐसा 'सीक्रेट नेटवर्क' है, जिसका मकसद लोकतांत्रिक सरकारों को अस्थिर करना और अराजकता फैलाना है। इस पूरे खेल की समझने के लिए इसके फंडिंग और वैचारिक पैटर्न को देखना होगा। रिपोर्ट में इस नेटवर्क को 'रेड-ग्रीन प्रोटेस्ट इकोसिस्टम' नाम दिया है, जहां 'रेड' (वामपंथी-कम्युनिस्ट ताकतें) और 'ग्रीन' (इस्लामी संगठन) एक साझा एजेंडे के तहत साथ आए हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस अराजकता की आर्थिक कमान चीन के शंघाई में बैठे अमेरिकी मूल के टेक करोबारी नैविल रॉय सिंचम के हाथों में बताई जा रही है। सिंचम पर पहलू भी भारत विरोधी नैटिविटी और वामपंथी संगठनों को फंडिंग करने के आरोप लगते रहे हैं। अब उनकी पत्नी और 'कोडफिंक' की सह-संस्थापक जोड़ी इसाई के बयानों से साफ है कि फ्रांस, स्पेन और भारत के प्रदर्शनों को एक सीसी-समझौ रणनीति के तहत हवा दी जा रही है, ताकि आम जनता को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया जा सके। इस कूटनीतिक और सुरक्षात्मक विमर्श का सबसे संवेदनशील पहलू यह है कि इस नेटवर्क ने युवाओं और छात्रों को सबसे बड़ा हथियार बनाया है। 101 संगठनों में से 33 का नेतृत्व छात्र समूहों के पास होना और 20 नवंबर को यूरोप में प्रस्तावित 'इंटरनेशनल यूथ स्ट्राइक' इस बात का सबूत है कि युवाओं की ऊर्जा को पूंजीवाद और लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ मोड़ने की गहरी साजिश रची जा रही है। फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के इस्तीफे की मांग हो या भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ 'चुनाव आयोग' पर हमला, दोनों का पैटर्न एक जैसा है। संस्थाओं की विश्वसनीयता को खत्म करो और अराजकता का माहौल बनाओ। भारत के परिप्रेक्ष्य में सियासी घमासान शुरू हो गया है। सत्तापक्ष जहां इसे देश के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय साजिश बता रहा है, वहीं विपक्ष इसे ध्यान भटकाने की कवायद करार दे रहा है। राजनीति अपनी जगह हो सकती है, लेकिन एक संप्रभु राष्ट्र के नाते भारत इस प्रकार के इनपुट को हल्के में नहीं ले सकता। अतीत में जो लुलूकिट और विदेशी फंडिंग के जरिए देश के आंतरिक माहौल को बिगाड़ने के प्रयास देखे जा चुके हैं। जब विदेशी ताकतें देश के भीतर चुनौती प्रक्रिया और संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों को निशाना बनाने लगें, तो यह मामला दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रीय सुरक्षा का बन जाता है। कहा जा सकता है कि वैश्विक पटल पर "कुछ तो गंभीर चल रहा है।" दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के नाते भारत को अधिक सावधानी रखनी होगी। खुफिया एजेंसियों को डिजिटल मैप्स, टेलीग्राम नेटवर्क्स और विदेशी फंडिंग के स्रोतों पर पैनी नजर रखनी होगी, ताकि देश की संप्रभुत्व पर कोई आंच न आए। अगर आज इस 'अराजकता के सिंडिकेट' को नहीं रोका गया, तो आने वाले समय में लोकतंत्रों को बचाना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

मंथन रोहित माहेश्वरी

कानून व्यवस्था को

चुनौती देते गैंगस्टर

देश में संगठित अपराध और गैंगस्टर्स की बढ़ती गतिविधियाँ कानून-व्यवस्था के लिए एक चुनौती बन चुकी हैं। हाल में साबरमती जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के 'सिंडिकेट और अन्य आपराधिक गिरोहों ने देश के कई राज्यों में सुरक्षा एजेंसियों की नाक में दम कर रखा है। फिल्म अभिनेताओं, राजनेताओं और व्यापारियों को निशाना बनाकर संश्राम की जा रही फायरिंग और हत्या की वारदातों ने शासन-प्रशासन के इकबाल पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुआ हमला इसका हालिया उदाहरण है। यह बताता है कि गैंगस्टर कैसे कानून व्यवस्था को खुलेआम चुनौतियां दे रहे हैं। पहलू भी सलमान खान व रोहित शेट्टी जैसे सितारे और फिल्म निर्माता गैंगस्टर्स के निशाने पर रहे हैं। जो बताता है कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अब भी संगठित अपराध कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यह सराहनीय है कि मुंबई पुलिस की खुफिया सूचनाओं की मदद से कोटा रेलवे स्टेशन से तीन संदिग्ध हमलावरों को राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी के बाद सबसे पहला सवाल यही था कि क्या बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड का पुराना खौफ लौट रहा है। क्या यह हमला बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड के पुराने खोफ की वापसी का संकेत है या इसे एक अलग घटना के तौर पर देखा जाना चाहिए? देश में कानून-व्यवस्था के समानांतर अपराध की सत्ता चलाने वाले गिरोहों का इतिहास पुराना रहा है। बेशक समय के साथ अपराधी संगठनों के नामकरण और अपराध के तौर-तरीके जरूर बदले हैं, लेकिन उनका खोफ गाढ़े-बगाह बना रहा। कभी मुंबई हाजी मस्तान और दाऊद से लेकर छोटे राजन के गैंगवार की साक्षी रही है। अब वहां नये सिरे से गैंगस्टर्स का दखल बढ़ रहा है। निस्संदेह, इन मामलों को महज धमकियों और जबरन वसूली तथा हिंसा की इस्का-डुस्का घटनाओं के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में ये समाज में लगातार गहरी होती जाती एक गंभीर समस्या के लक्षण हैं।

यदि समय रहते ऐसे गैंगस्टर्स की कमर नहीं तोड़ी जाती तो वे समाज में रक्तबीजों की तरह लगातार बढ़ते जाएंगे। उनकी प्रतिद्वंद्विता का खामियाजा कालांतर कानून-व्यवस्था बाधित होने से समाज को ही भुगतान पड़ेगा। दरअसल, पुलिस की शुरुआती जांच से पता चला है कि इस हमले के संदिग्ध हमलावरों में से एक का संबंध लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कथित साथी से है। यह उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आए लॉरेंस बिश्नोई साल 2015 से जेल में बंद है। ऐसे में सवाल उठता है कि कड़ी पुलिस सुरक्षा में जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई का नाम गाढ़े-बगाहे विभिन्न अपराधों में सलिप्तता के रूप में कैसे उछाला जाता है? भारत ही नहीं, उसके साथी यूरोप व अमेरिका में सक्रिय बनाये जाते हैं। अमेरिका में उसे अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टर गिरोह के रूप में चिन्हित किया जाता है। कुछ समय पहले उसके करीबी सहयोगियों में से एक, करमवीर सिंह को कनाडा से डिपोर्ट किया गया था। पिछले महीने पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। वहीं दूसरी ओर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल को नवंबर 2025 में अमेरिका से डिपोर्ट किया गया था। उसके उपरांत नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल, यह मामला आपराधिक गिरोहों और आतंकी समूहों के बीच सांठगांठ से जुड़ा हुआ जाता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुरक्षा कार्यों और लोक व्यवस्था का हवाला देते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 303 लागू की है, जिसके तहत लॉरेंस बिश्नोई जैसे अपराधियों को गुजरात की साबरमती जेल से बाहर ले जाने या मुंबई पुलिस के प्रत्यक्ष कस्टडी में देने पर रोक है। इस वजह से जांच एजेंसियां केवल जेल के अंदर ही पूछताछ कर पा रही हैं, जिससे बड़ी साजिशों का पूरी तरह पर्दाफाश करने में बाधा आ रही है। सर्वोच्च अदालत भी गैंगस्टर कानूनों की संवैधानिक वैधता और संगठित अपराधों से निपटने के प्रावधानों की समीक्षा कर रही है ताकि पुलिस व प्रशासन बिना किसी कानूनी अड़चन के इन असामाजिक तत्वों पर शिकंसा कस सके। गैंगस्टर्स और अपराधियों पर पुलिस प्रशासन एवं सुरक्षा एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं। निस्संदेह, कानून लागू करने वाली एजेंसियों को चुनौती देने वाले इन गिरोहों की कमर तोड़ना राज्य सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए। वहीं अपराधियों में कानून का डर पैदा करने और जनता में सुरक्षा की भावना बहाल करने के लिए विभिन्न राज्यों की पुलिस के बीच बेहतर समन्वय और जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से पूरी तरह अपग्रेड बनाना बेहद जरूरी है।

(लेखक स्वतंत्र संस्करण हैं, वे उनके अपने विचार हैं)

विचार

लोकतंत्र का लुप्त होता स्तंभ: जवाबदेही

एक विचित्र विरोधाभास सामने आता है। सभी संवैधानिक संस्थाओं ने अधिकतम शक्तियों और स्वतंत्रता की मांग की है, लेकिन जवाबदेही या तो बिल्कुल नहीं चाही है या उसे न्यूनतम रखने की इच्छा दिखाई है। संस्थाओं की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उन्हें जवाबदेही से छूट मिल जाए। लोकतंत्र तीन परिचित स्तंभों के माध्यम से कार्य करता है- विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। मीडिया को चौथा स्तंभ माना जाता है, यद्यपि संविधान के अंतर्गत नहीं, बल्कि अपनी अनिवार्य भूमिका के कारण। लेकिन एक और सिद्धांत है, जिसके बिना ये स्तंभ जनता का विश्वास बनाए नहीं रख सकते। वह सिद्धांत है जवाबदेही। यही वह अनुशासन है, जो लोकतंत्र की प्रत्येक संस्था के कामकाज में समाहित होना चाहिए। किसी लोकतंत्र में चुनाव हो सकते हैं, स्वतंत्र न्यायपालिका, संवैधानिक निकाय और विस्तृत कानून भी हो सकते हैं। फिर भी, यदि सार्वजनिक शक्ति का प्रयोग करने वाले लोग अपनी शक्तियों के उपयोग के तरीके के प्रति पर्याप्त रूप से जवाबदेह नहीं हैं, तो धीरे-धीरे नागरिकों का विश्वास कम हो सकता है।

लोकतंत्र के लिए वास्तविक खतरा केवल शक्ति का दुरुपयोग नहीं है, बल्कि ऐसी शक्ति भी है, जिसके प्रयोग का कोई स्पष्टीकरण न हो, जिसमें पारदर्शिता का अभाव हो और जिसके दुरुपयोग या विफलता के कोई परिणाम न हों। इस बात पर कोई दो राय नहीं हो सकती कि न्यायपालिका कार्यपालिका से स्वतंत्र होनी चाहिए। निर्वाचन आयोग राजनीतिक दलों और सरकारों से स्वतंत्र होना चाहिए। संवैधानिक प्राधिकारियों को अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। संसद को कार्यपालिका के कार्यों की जांच और समीक्षा करने में सक्षम होना चाहिए। फिर भी, इनमें से प्रत्येक संस्था अपनी वैधता संविधान से और अंततः जनता से प्राप्त करती है। भारत में लोकतंत्र का संचालन कई कठिन सच्चाईयों को सामने लाता है। सब कुछ ठीक नहीं है। लोग यह प्रश्न क्यों पूछते हैं कि क्या गलत हो रहा है? उन्हें इन प्रश्नों के उत्तर मिलने चाहिए। जनता का विश्वास जवाबदेही की मांग करता है। जवाबदेही समस्या नहीं, बल्कि समाधान है। हालांकि, भारतीय लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती ऐसे तंत्र विकसित करना है, जो संस्थाओं की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखते हुए उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित करें। जवाबदेही की दिशा में पहला कदम पारदर्शिता है। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 ने नागरिकों को जानने का अधिकार दिया है, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था को इससे एक कदम आगे बढ़ना होगा। जानने का अधिकार, प्रश्न पूछने

के अधिकार में बदलना चाहिए और प्रश्न पूछे जाने के बाद संस्थाओं का यह कर्तव्य होना चाहिए कि वे उत्तर दें और अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करें।

भारत को व्यापक सार्वजनिक चर्चा के बाद एक स्वतंत्र संवैधानिक जवाबदेही आयोग स्थापित करने पर विचार करना चाहिए। इस आयोग के गठन में पर्याप्त संवैधानिक सुरक्षा उपाय होने चाहिए और इसे राजनीतिक तथा कार्यपालिका के दैनिक हस्तक्षेप से पूरी तरह मुक्त रखा जाना चाहिए। इस आयोग का उद्देश्य न्यायिक निर्णयों के विरुद्ध अपील सुनना या संवैधानिक प्राधिकारियों के वैध कार्यों तथा विवेकाधिकार में हस्तक्षेप करना नहीं होना



चाहिए। इसका कार्यक्षेत्र अधिक सीमित, लेकिन अधिक बुनियादी होना चाहिए। इसमें संस्थाओं द्वारा अपनी संवैधानिक और वैधानिक जिम्मेदारियों के अनुपालन की निगरानी करना, व्यवस्थागत कमियों की पहचान करना, निष्कर्ष प्रकाशित करना तथा सुधारात्मक कार्रवाई के लिए सुझाव देना शामिल होना चाहिए।

प्रत्येक प्रमुख संवैधानिक संस्था को वार्षिक संवैधानिक प्रदर्शन रिपोर्ट प्रकाशित करने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए। इस रिपोर्ट में स्पष्ट और आसानी से समझ में आने वाले तरीके से जानकारीयां दी जानी चाहिए। इन रिपोर्टों को संसद के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए और जनता के लिए भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। जिस कार्य का पारदर्शी ढंग से मापन किया जाता है, उसके जिम्मेदारीपूर्वक किए जाने की संभावना अधिक होती है। संस्थागत शक्ति के सबसे कम पहचाने जाने वाले रूपों में से एक है-निर्णय लेने में देरी करने की शक्ति। जहां संविधान या कानून किसी संवैधानिक पदाधिकारी को निर्णय लेने का दायित्व सौंपता है, वहां जहां तक संवैधानिक रूप से संभव हो, उस शक्ति के प्रयोग के लिए एक उचित अधिकतम समय-सीमा

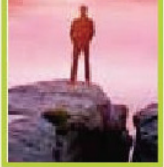
निर्धारित की जानी चाहिए। यह सिद्धांत विशेष रूप से उन मामलों में महत्वपूर्ण है, जहां देरी से लोकतांत्रिक शासन, विधायी कार्यप्रणाली या नागरिकों के अधिकारों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। विवेकाधिकार का अर्थ अनिश्चितकाल तक निष्क्रिय बने रहने की स्वतंत्रता नहीं हो सकता। बेशक, प्रत्येक संवैधानिक निर्णय को किसी कठोर समय-सीमा में बाँधना न तो संभव है और न ही आवश्यक। संवैधानिक मामलों की जटिलता के कारण कभी-कभी पर्याप्त विचार-विमर्श की आवश्यकता होती है। लेकिन वैध विचार-विमर्श और जानबूझकर की जाने वाली टालमटोल के बीच अंतर होना चाहिए। संवैधानिक शासन में चुप्पी और देरी को निर्णय लेने के विकल्प के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। जवाबदेही सुनिश्चित करने के सबसे सरल और प्रभावशाली उपायों में से एक है - निर्णयों के कारण बताने की अनिवार्यता। किसी नागरिक को हमेशा अपनी इच्छानुसार परिणाम प्राप्त करने का अधिकार नहीं हो सकता। लेकिन जब किसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक शक्ति का प्रयोग किया जाता है, तो सामान्यतः नागरिक को यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि ऐसा क्यों किया गया। कारणयुक्त निर्णय लेने से एक साथ तीन उद्देश्यों की पूर्ति होती है- पारदर्शिता, अनुशासन और जनता का विश्वास। इसके अतिरिक्त, जहां आवश्यक हो, ऐसे निर्णयों की प्रभावी संवैधानिक और न्यायिक समीक्षा करना भी संभव होता है। निस्संदेह, कुछ परिस्थितियों में गोपनीयता या संवैधानिक आवश्यकताओं के कारण अपवाद उचित हो सकते हैं। लेकिन अपवाद इस नियम को ही समाप्त नहीं कर देना चाहिए। परिणामों के बिना जवाबदेही केवल विफलताओं का लेखा-परीक्षण बनकर रह जाती है। यदि कोई व्यवस्था लगातार या जानबूझकर की गई विफलताओं की पहचान तो करती है, लेकिन उसके बाद कोई सार्थक संस्थागत कार्रवाई नहीं होती, तो अंततः संस्थाओं को यही संदेश मिलता है कि जवाबदेही केवल औपचारिकता है। हालांकि, इन परिणामों की व्यवस्था अत्यंत सावधानीपूर्वक तैयार की जानी चाहिए। लोकतंत्र केवल मतदान करने का अधिकार नहीं है। लोकतंत्र यह आश्वासन भी है कि सार्वजनिक शक्ति सौंपी गई प्रत्येक व्यक्ति उसका प्रयोग संवैधानिक सीमाओं के भीतर करेगा, आवश्यकता पड़ने पर उसके प्रयोग का स्पष्टीकरण देगा, वह जाँच और समीक्षा को स्वीकार करेगा। सभी संस्थाओं और उनकी शक्तियों के साथ कर्तव्य जुड़े होते हैं। जवाबदेही उन शक्तियों का अभिन्न अंग है।

(लेखक स्वतंत्र व्यक्तित्व हैं, वे उनके अलग-अलग हैं, वे उनके अपने विचार हैं)

धैर्य और संतोष ही सुखी जीवन के आधार



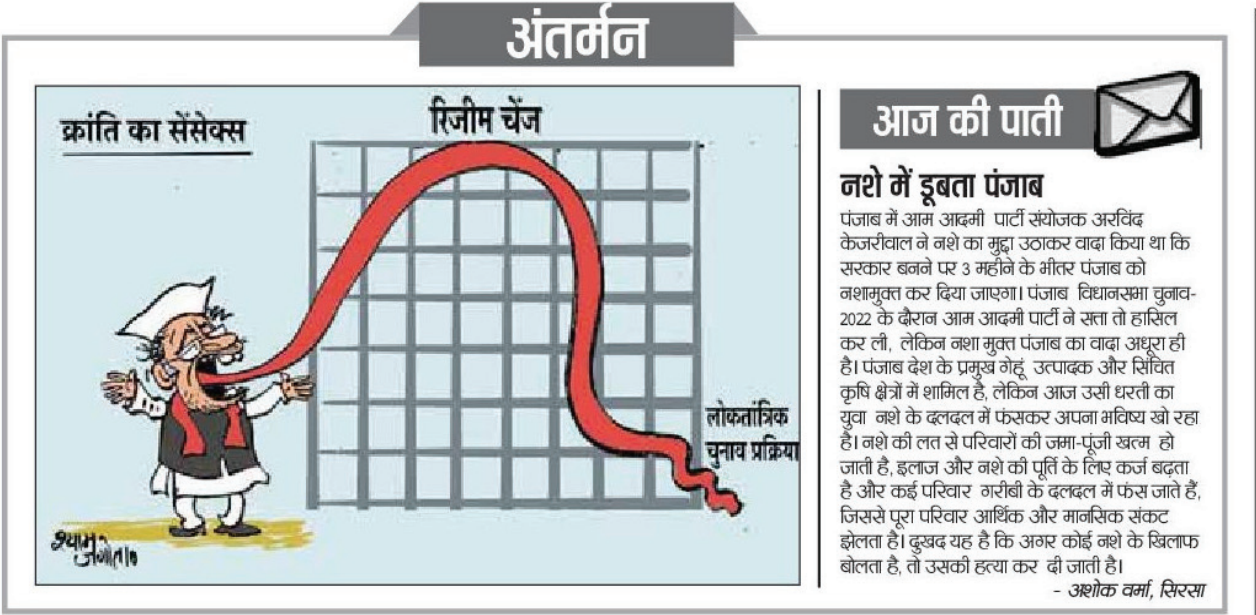
मानव स्वभाव से सौम्य, संवेदनशील और सहयोगी प्राणी है। उसके भीतर प्रेम, करुणा, सहानुभूति और परोपकार की भावनाएं विद्यमान रहती हैं, लेकिन जब वह आवेग, क्रोध और अनिश्चित इच्छाओं के वशीभूत हो जाता है, तब उसका विवेक कमजोर पड़ने लगता है। क्षणिक आवेश में लिया गया निर्णय कभी-कभी उसके पूरे जीवन को संकट में



संकलित

दर्शन

डाल देता है। इसलिए जीवन में थोड़ी-सी सावधानी, विचारों पर नियंत्रण और आत्मजागृति का बहुत बड़ा महत्व है। मनुष्य यदि समय रहते अपने मन की चंचलता को पहचान ले और गलत दिशा में बढ़ते कदमों को रोक दे, तो अनेक अनर्थों से बच सकता है। जीवन की वास्तविक सफलता केवल उपलब्धियाँ प्राप्त करने में नहीं, बल्कि अपने व्यवहार और विचारों को संतुलित रखने में भी निहित है। मनुष्य का स्वभाव स्थायी रूप से बुरा नहीं होता। परिस्थितियाँ, मानसिक तनाव, क्रोध, लोभ और आवेग कभी-कभी उसे ऐसे कार्य करने के लिए प्रेरित कर देते हैं, जिनका पश्चाताप उसे बाद में होता है। आवेग एक ऐसा प्रवाह है, जो व्यक्ति की विचारशक्ति को अपने साथ बहा ले जाता है। उस समय सही और गलत के बीच अंतर करना कठिन हो जाता है। व्यक्ति कुछ क्षणों के लिए विवेक खो बैठता है और ऐसा कदम उठा लेता है, जिसकी कीमत उसे लंबे समय तक चुकानी पड़ती है। इसलिए जब मन में क्रोध या प्रतियोगी की भावना प्रबल हो, तब तत्काल प्रतिक्रिया देने के बजाय कुछ समय रुकना चाहिए।



करंट अफेयर

नवरात्रि समारोहों में शामिल हुए न्यूयार्क के मेयर ममदानी

अमेरिका के इलिनॉय राज्य में एक मंदिर में समूहिक गोलीबारी की साजिश नाकाम किए जाने के कुछ दिन बाद न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोरदान ममदानी ने यहां भारतीय मूल के हिंदू समुदाय के लोगों के साथ नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा मनाई तथा लोगों से नफ़रत के खिलाफ एकजुट होने और एक-दूसरे का ख्याल रखने की अपील की। ममदानी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा, 'इस सप्ताह मुझे क्वींस में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोगों के साथ नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दशैं और विद्यादशमी मनाने का सौभाग्य मिला।' उन्होंने कहा, 'हमने गर्वा किया, आरती में हिस्सा लिया, सिंदूर खेला की रस्म देखी और मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। शहर के विभिन्न मंदिरों में लोगों के साथ मिलकर खुशी और श्रद्धा के इस उत्सव में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात थी, खासकर इसलिए कि पिछले सप्ताह ही इलिनॉय के एक हिंदू मंदिर में समूहिक गोलीबारी की कोशिश की गई थी।' मेयर ने कहा, '‘अइय, हम सभी नफरत के खिलाफ खड़े होने और एक-दूसरे का ख्याल रखने की अपनी साझा जिम्मेदारी निभाने के लिए एकजुट हो। जय माता की।' सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में ममदानी भारतीय मूल के लोगों के साथ गर्वा करते और मंदिरों में पूजा-अर्चना तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लेते दिखाई दिए।



होते हैं, जो शरीर की आयरन को अवशोषित करने की क्षमता को कम कर देते हैं। साबुत अनाज, नट, बीज, फलियां और पतेंदार साग जैसे वनस्पति आधारित खाद्य पदार्थों में आयरन भरपूर होता है और पशु-स्रोत वाले खाद्य पदार्थों में मौजूद आयरन की तुलना में कम आसानी से अवशोषित होता है। मिश्रित आहार यानी सब्जियां, अनाज और पशु-स्रोत वाले खाद्य पदार्थ जैसे कुछ मछलियों, लाल मांस या दुग्ध को स्रोत आयरन अवशोषण की सुविधा प्रदान करता है।

अम्बिकापुर, 25 अक्टूबर, रविवार 2026

4

भगवान चढ़ाया गया भोग कैसे खाते हैं



क्या भगवान हमारे द्वारा चढ़ाया गया भोग खाते हैं? यदि खाते हैं, तो वह वस्तु समाप्त क्यों नहीं हो जाती? और यदि नहीं खाते हैं, तो भोग लगाने का क्या लाभ? एक युवा शिष्य ने पाठ के बीच में अपने गुरु से यह प्रश्न किए, गुरु ने तत्काल कोई उत्तर नहीं दिया। वे पूर्ववत पाठ पढ़ाते रहे, उस दिन उन्होंने पाठ के अन्त में एक श्लोक पढ़ाया:

पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमुदच्यते। पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते॥

पाठ पूरा होने के बाद गुरु ने शिष्यों से कहा कि वे पुस्तक देखकर श्लोक कंठस्थ कर लें। एक घंटे बाद गुरु ने प्रश्न करने वाले शिष्य से पूछा कि उसे श्लोक कंठस्थ हुआ कि नहीं? उस शिष्य ने पूरा श्लोक शुद्ध-शुद्ध गुरु को सुना दिया। फिर भी गुरु ने फिर नहीं में हिलाया, तो शिष्य ने कहा कि वे चाहें, तो पुस्तक देख लें, श्लोक बिल्कुल शुद्ध है। गुरु ने पुस्तक देखते हुए कहा- श्लोक तो पुस्तक में ही है, तो तुम्हारे दिमाग में कैसे चला गया? शिष्य कुछ भी उत्तर नहीं दे पाया। तब गुरु ने कहा- पुस्तक में जो श्लोक है, वह स्थूल रूप में है। तुमने जब श्लोक पढ़ा, तो वह सूक्ष्म रूप में तुम्हारे दिमाग में प्रवेश कर गया, उसी सूक्ष्म रूप में वह तुम्हारे मस्तिष्क में रहता है। और जब तुमने इसको पढ़कर कंठस्थ कर लिया, तब भी पुस्तक के स्थूल रूप के श्लोक में कोई कमी नहीं आई। इसी प्रकार पूरे विश्व में व्याप्त परमात्मा हमारे द्वारा चढ़ाए गए निवेदन को सूक्ष्म रूप में ग्रहण करते हैं, और इससे स्थूल रूप के वस्तु में कोई कमी नहीं होती। उसी को हम प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं।



भारत-पोलैंड स्टार्टअप ब्रिज

पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड ट्रस्क के साथ हमने अपनी राजनीतिक सहजोदरी में हुई प्रगति की स्वीकृति की। हम भारत-पोलैंड स्टार्टअप ब्रिज स्थापित करने और अपने युवओं के लिए प्रौद्योगिकी हैचवॉक और आयोजित करने पर सहमत हुए हैं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

रेहान की फोटो प्रदर्शनी

दिल्ली के बीकानेर हाउस में रेहान बाड़ा की फोटो प्रदर्शनी से 70 से ज्यादा तस्वीरें हटा दी गईं। बीकानेर हाउस राजस्थान सरकार की संपत्ति है। यानी, भाग्य सांख्यार की देखरेख में एक युवा कलाकार की कला को दबाया गया, जो कि बेहद निंदनीय है।

-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

स्वतंत्रता सेनानी की जयंती

स्वतंत्र सेनानी और अमर शहीद अष्टाफकुला खान की जयंती पर कॉर्ट-कॉर्ट नमन। मातृभूमि के प्रति उनका अटूट प्रेम आज भी एक निमाल है। उनका संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को जीवन शोध के प्रति समर्पित करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

सैमसन की बल्लेबाजी

जब भी मैं सऊ सैमसन को बल्लेबाजी करते देखता हूँ, तो मुझे लगता है कि उनका बल्ला टैट-आ के दौरान बहुत ज्यादा बंद रहता है, जिससे उनके आउट-रिचार्ज गेट्स पर आउट होने का खतरा बढ़ जाता है। वह जिस तरह से इसे संभालते हैं, वह कबिले ताशिक है।

- इराफ़ान पटेल, क्रिकेटर



AFFIDAVIT
FOR NAME CHANGE

I Anuj Kumar Dubey, S/O Ram Kumar Dubey, Resident of. house no. 48/7, Ring road, mission chowk shaheed Chandra Shekhar azad ward no.-16, Ambikapur, post: Ambikapur, dist surguja, Chhattisgarh, 497001 hereby declare that have changed my name from Anuj Kumar Dubey to Dr. Anuj Kumar dubey S/O Ram Kumar Dubey in all the government approved identity proofs to be used for various purposes in the future

Deponent
Name: Dr. Anuj Kumar Dubey address: house no. 48/7, Ring road, Shaheed Chandra shekhar azad Ward no-16,Ambikapur, post- Ambikapur, Disst- Surguja, Chhattisgarh Pin-497001.

शपथपत्र

नामपरिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मैं अनुज कुमार दुबे आ. राम कुमार दुबे अपना पुराना नाम को बदल कर नया नाम डॉ० अनुज कुमार दुबे पिता रामकुमार दुबे, निवासी मकान नं०-48/7, रिंग रोड, मिशन चौक, शहीद चन्द्रशेखर आजाद वार्ड नं० 16, अम्बिकापुर, पोस्ट ऑफिस अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छग०, पिन नं०-497001, रख लिया हूँ। अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय / अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम डॉ० अनुज कुमार दुबे पिता राम कुमार दुबे से जाना एवं पहचाना जाए।

शपथकर्ता

डॉ० अनुज कुमार दुबे पिता रामकुमार दुबे, निवासी मकान नं०-48/7, रिंग रोड, मिशन चौक, शहीद चन्द्रशेखर आजाद वार्ड नं० 16, अम्बिकापुर, डाकघर- अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छग०, पिन 497001

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला- सरगुजा (छग०)

रा०प्र०क्र०/अ-20(3)/2026-27

ईश्वतार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक कृष्णानंद सिंह आ. स. अर. बी. सिंह, उम्र-53 वर्ष जाति क्षत्रिय निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छग० द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर 09 मोहल्ला-बाबूपुरा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3467/4866/166 कुल रकबा 3242.57 वर्गमीटर भूमि में से रकबा 119 मीटर भूमि जिस पर पक्का मकान निर्मित है को अनावेदक /केता अशोक कुमार अग्रवाल आ. गनपत राम अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वार्ड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा अपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30.10.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदद्वारा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

प्रेम प्रसंग के चलते शादी का झांसा देकर युवक ने महिला को किया गर्भवती प्रसूता ने बेटी को दिया जन्म युवक दे रहा जान से मारने की धमकी

संवाददाता

बिंदकी, फतेहपुर ,प्रदेश के रायबरेली जनपद के लालगंज क्षेत्र अंतर्गत एक गांव की निवासिनी महिला ने फतेहपुर जनपद के बिंदकी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत खजुहा कस्बे के निवासी एक युवक के ऊपर निरंतर 2 वर्षों तक शारीरिक शोषण करने के पश्चात विवाह न करने का आरोप लगाया पीड़ित महिला ने नजदीकी पुलिस चौकी

खजुहा समेत अन्य स्थानों में भी प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया जहां अपना पल्ला झाड़ते हुए प्रशासन में नाम मात्र की कार्यवाही करते हुए जांच की स्थिति में डाल दिया परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई वहीं महिला ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत मंडल एवं जनपद के पुलिस अधीक्षक को भी प्रार्थना पत्र भेजो पीड़ित महिला ने बताया कि वह पूर्व काल में बिंदकी कोतवाली थाना क्षेत्र के खजुहा

कस्बे में अपनी बहन के यहां रहती थी जहां उसे अपने प्रेमजाल में कस्बे के रानी सागर क्षेत्र निवासी युवक राजन गोस्वामी पुत्र कन्हैयालाल गोस्वामी ने फांस लिया निरंतर शादी का झांसा देता रहा तथा लगातार दो वर्षों तक शारीरिक शोषण किया शोषण के बाद भी महिला के साथ युवक ने विवाह नहीं किया जहां परिजनों ने महिला का विवाह रायबरेली जनपद के लालगंज निवासी एक

महामहोत्सव अंतर्गत शिव महिमा की अविरल गाथा का गुणगान श्रवण कर रहे भक्तगण

महामंडलेश्वर आत्मानंद गिरि जी महाराज ने भक्ति पथ को बताया मोक्ष धाम

संवाददाता

फतेहपुर ,जनपद के मलवा विकासखंड अंतर्गत गांव रेवाड़ी बुजुर्ग की सब्जी मंडी प्रांगण में चल रहे नवदिवसीय आध्यात्मिक महा महोत्सव में शिव पुराण की विस्तृत व्याख्या करते हुए मंच पर विराजमान महामंडलेश्वर आत्मानंद गिरि जी महाराज ने भक्तों को भगवान शिव की महिमा का विस्तृत वर्णन सुनाया कथा व्यास महामंडलेश्वर ने भगवान शिव का पूजन तथा

शिवलिंग के विषय में विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान शिव स्वयं निराकार स्वरूप है जहां भक्तगण श्रद्धा से भगवान शिव की आराधना करते हुए भय मोह क्रोध तथा अहंकार से विरक्त हो जाते हैं निराकार स्वरूप ईश्वर के प्रति आस्था तथा समर्पण करते हुए मनुष्य मोक्ष पद को प्राप्त करता है वहीं शिव महिमा का बखान करते हुए कथा व्यास ने भगवान शिव का त्याग तपस्या करुणा आदि

समझाते हुए अनेक प्रसंगों को प्रस्तुत किया विगत दिवस कार्यक्रम में पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष आशीष मिश्रा समेत सभी वरिष्ठ आगंतुकों ने महा आरती करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया इस मौके पर कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक शिक्षक डॉ प्रशांत पाण्डेय उदयभान गुप्ता रजय सिंह ऋतिक अंकित रवि मिश्रा पिपूष दीक्षित समेत भारी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे

सुप्रीम कोर्ट का हाईकोर्ट से सवाल ऐसी क्या जल्दी थी कि किसी पक्ष को सुने बिना दे दिया आदेश

पूर्व सीएन पिनारई विजयन, उनकी बेटी, उनके दादा के खिलाफ था मामला



एजेसी नई दिल्ली

जस्टिस मोहना ने की सख्त टिप्पणी जस्टिस बागची ने कहा कि ईडी के पास हवाला डीलरों और पूर्व मुख्यमंत्रियों की जांच करने का पूरा अधिकार है। उन्हें कोई नहीं रोक सकता। ईडी ने अपना कानूनी कर्तव्य निभाया है। उन्होंने राज्य को सूचित कर दिया था। अब राज्य को कानून के अनुसार कार्रवाई करनी है। राज्य कानून के अनुसार काम कर रहा है या नहीं, इस पर (हमारी राय में) हाईकोर्ट को जांच का निर्देश नहीं देना चाहिए था।

उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की 11 सीटों पर चुनाव संपन्न अमरोहा में सबसे ज्यादा 93.8 फीसदी तो मुरादाबाद में 75.31 प्रतिशत हुआ मतदान

मंत्री स्वतंत्र देव और सपा प्रमुख अखिलेश ने भी डाला वोट

कुल 14.18 लाख मतदाता 152 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे

एजेसी लखनऊ

यूपी में विधान परिषद की 11 सीटों पर चुनाव संपन्न हो गया है। फतेहपुर, फतेहाबाद, मुजफ्फरनगर, वाराणसी, गोरखपुर समेत कई जिलों में सपा और भाजपा कार्यकर्ताओं में नोकझोंक हुई है। 4 बजे तक 64.24% मतदान हुआ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इटवा के सैफई में वोट डाला। कुल 14.18 लाख मतदाता 152 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। 72 जिलों में मतदान हुआ। बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन 2026 में शाम चार बजे तक अमरोहा जिले में सबसे अधिक 93.8 प्रतिशत

प्रदेश के 72 जिलों में डाले गए वोट, 27 को आएंगे नतीजे



मतदान प्रतिशत में वृद्धि संभव

मंत्री स्वतंत्र देव ने सपा को घेरा

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुक्रवार को इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन में जिला परिषद उरई में बने मतदान केंद्र पर मतदान किया। मतदान के बाद उन्होंने भाजपा की जीत का दावा करते हुए सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि स्नातक और शिक्षक निर्वाचन का सदन महत्वपूर्ण है, जहां शिक्षकों और स्नातकों की समस्याओं को उठाकर समाधान कराया जाता है।

भाजपा के गंडे रा फिर लखनऊ जाकर कर लंगा

मतदान हुआ।

मुरादाबाद में 75.31 प्रतिशत, रामपुर में 74.86 प्रतिशत और संभल जिले में 71.80 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मतदाधिकार का प्रयोग किया। अधिकारियों के अनुसार, संभल और अमरोहा में मतदान के आंकड़ों में बदलाव हो सकता है। पोलिंग पार्टियों के अंतिम रिकॉर्ड का मिलान होने के बाद मतदान का अंतिम प्रतिशत स्पष्ट होगा।

भष्ट अधिकारों को आगे किया: अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि मैं मतदाताओं से अपील कर रहा हूं वोट से लोकतंत्र बचेगा। भाजपा के लोग निराश हैं। सपा के लोगों को रोकने के लिए भाजपा के गुंडे या भ्रष्ट अधिकारी लगे हैं।



इस्लाम कबूल: अग्रवाल

आगरा शिक्षक खंड से सपा प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल ने मतदान के दौरान गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगाए। सपा प्रत्याशी फूट-फूटकर रो दिए। उन्होंने कह दिया कि वह लखनऊ की शाही इंदगाह में जाकर धर्म परिवर्तन कर लेंगे। आकाश अग्रवाल ने आरोप लगाया कि उनके प्रबंधकों और समर्थकों को जबरन उठाया जा रहा है, परेशान किया जा रहा है और उनके साथ बुरा बर्ताव हो रहा है।

वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर दर्जा की मांग

सुप्रीम कोर्ट 27 अक्टूबर को करेगा सुनवाई

वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के बराबर दर्जा देने की मांग अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में रॉबिन्ट जनहिंद याचिका को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने की अपील की गई है। इस पर 27 अक्टूबर को सुनवाई हो सकती है। याचिका अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने दाखिल की गई है। अधिवक्ता अश्विनी दुबे ने इसे दिल्ली हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित करने की मांग की है। वंदे मातरम हमारे इतिहास, संप्रभुता, एकता और गौरव का प्रतीक है। यदि कोई प्रत्यक्ष इसके प्रति अनादर दिखाता है, तो यह अधिकारों और एक संप्रभु राष्ट्र के नागरिक के रूप में हमारे अस्तित्व के लिए भी संकट का कारण होगा।

कारोबारी शिवा की हत्यारोपी मॉडल श्रद्धा को कोर्ट से बड़ा झटका, जमानत अर्जी खारिज

एजेसी लखनऊ

राजधानी लखनऊ में कारोबारी शिवा की हत्यारोपी मॉडल श्रद्धा शुक्ला, उसकी बहन रंशम और ड्राइवर दानिशा ओ को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। तीनों की जमानत अर्जी प्रभारी सीजेएम आलोक वर्मा ने खारिज कर दी है। अदालत ने कहा है कि अपराध गंभीर प्रकृति का है तथा सत्र न्यायालय द्वारा परीक्षणयोग्य है। लिहाजा जमानत का कोई उचित आधार नहीं है। श्रद्धा की ओर से अधिवक्ता ने सीजेएम कोर्ट में जमानत अर्जी डाली थी।



थरूर ने दी नई परिभाषा रिजीम चेंज नहीं... शांतिपूर्ण प्रदर्शन का हक मिला, राय दी

एजेसी नई दिल्ली

कांग्रेस के सीनियर नेता शिवा थरूर ने चल रहे प्रदर्शनों पर बात की है। इसके अलावा प्रशांत भूषण और नेहा बोरा जैसे लोगों की ओर से रिजीम चेंज की बात करने और फिर कांग्रेस की ओर से भी ऐसा कहने पर जवाब दिया है। थरूर ने कहा कि हमारा संविधान शांतिपूर्ण प्रदर्शनों की अनुमति देता है। हिंसा की परमिशन नहीं देता है। हम ऐसे ही प्रदर्शन के पक्ष में हैं, लेकिन हम यह भी चाहेंगे कि सरकार भी अपनी जवाबदेही तय करे।



खान-पान पर पाबंदी बर्दाश्त नहीं करेंगे संघ परिवार का एजेंडा नहीं चलेगा

राज्यपाल के शाकाहारी निर्देश पर भड़के वेणुगोपाल

राज्यपाल के फैसले पर नाराजगी जताई

एजेसी तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के एक कथित फैसले की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने राजभवन की रसोई को पूरी तरह से शाकाहारी बनाने का निर्देश दिया है। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि यह संघ परिवार की असंवैधानिक रूचियों को दिखाता है। शुक्रवार को पदभार संभालने वाले माथुर ने निर्देश दिया है कि लोक भवन की रसोई में मांसाहारी व्यंजन न तो बनाए जाएं और न ही परोसे जाएं। राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि माथुर पूरी तरह से शाकाहारी हैं। उन्होंने रसोई में मांसाहारी भोजन न बनाने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को अपनी पसंद के भोजन पर कोई रोक-टोक नहीं थी।



चुनाव आयोग से जुड़ा एक और विवाद आया सामने 2 आयुक्तों ने कैबिनेट सचिव से की थी अधिकारी पर एवशन की मांग

एजेसी नई दिल्ली

चुनाव आयोग के भीतर एसआईआर को लेकर सामने आए मतभेदों के बीच अब आयोग में वरिष्ठ अधिकारियों के बीच कामकाज के बंटवारे को लेकर विवाद सामने आया है। आयुक्त सुखबीर सिंह संघू और निवेक जोशी ने वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त मनीष गर्ग के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए 29 जुलाई को कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन को पत्र लिखे थे। पूर्व नौसेना अधिकारी कमोडोर लोकेश के बन्ना की ओर से फाइल की गई आरटीआई के जवाब में घटनाक्रम का खुलासा हुआ है। दोनों चुनाव आयुक्तों के इस लेटर के जवाब में कैबिनेट सचिवालय ने मामले को गंभीरता से लेने के बावजूद किसी तरह की सीधी कार्रवाई करना उचित नहीं माना था।



नर्म को मिला था प्रचार

कैबिनेट सचिवालय को लिखे गए लेटर में दोनों चुनाव आयुक्तों ने कहा था कि डिप्टी इलेक्शन कमिशनर मनीष गर्ग को प्रशासनिक विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था।

स्वदेशी जागरण मंच ने कहा सुरक्षा कारणों को लेकर केंद्र स्टारलिनक को लाइसेंस न दे

एजेसी नई दिल्ली

स्वदेशी जागरण मंच ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए शुक्रवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह एलन मस्क की कंपनी 'स्टारलिनक' को भारत में वाणिज्यिक उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू करने की अनुमति न दे। यहां 3 मूर्ति चौक पर स्टारलिनक के खिलाफ प्रदर्शन के बाद, प्रधानमंत्री को सौंपे जापान में आएएसएस से जुड़े संगठन ने कहा कि स्टारलिनक द्वारा उपग्रहों के बीच सीधे डेटा भेजने के लिए लेजर-आधारित सैटेलाइट लिंक का इस्तेमाल, सुरक्षा से जुड़ी



आपातकालीन स्थितियों में भारतीय इंटरनेट ट्रैफिक के दायरे में न हो होने को लेकर चिंता पैदा करता है। राष्ट्रीय सह-संयोजक अश्विनी महाजन ने जापान में लिखा, 'सरकार इस प्रणाली की जांच कर रही है ताकि वह सुनिश्चित किया जा सके कि सुरक्षा से जुड़ी आपातकालीन स्थितियों में डेटा भारतीय गेटवे को 'बायपास' न करे।

पकड़ाई बांग्लादेशी महिला, रीना अख्तर को भारत से भेजा गया बाहर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अवैध रूप से निवासरत विदेशी नागरिकों को पहचान और दस्तावेजों के सत्यापन को लेकर पुलिस की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में बांग्लादेशी नागरिक रीना अख्तर को भारत से डिपोर्ट कर दिया गया है। दुर्ग पुलिस की विशेष कार्यबल (एसटीएफ) टीम ने पश्चिम बंगाल में इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सहयोग से समन्वित कार्रवाई करते हुए 23 अक्टूबर 2026 को उन्हें नियमानुसार भारत से बाहर भेजने की प्रक्रिया पूरी की। पुलिस के अनुसार, जिले में विदेशी नागरिकों के निवास और दस्तावेजों की जांच के दौरान



रीना अख्तर के भारत में अवैध रूप से रहने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद मामले में आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी की गई और संबंधित केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर आगे की कार्रवाई की गई।

15वें वित्त की राशि में कथित गड़बड़ी की जांच में असहयोग पर कार्रवाई, 23 पंचायत सचिवों को नोटिस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरबा। 15वें वित्त आयोग की राशि से कराए गए कार्यों में कथित अनियमितताओं की जांच में सहयोग नहीं करने और आवश्यक अभिलेख उपलब्ध नहीं कराने के मामले में पाली ब्लॉक के 23 पंचायत सचिवों पर निलंबन की कार्रवाई की तलवार लटक रही है। जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एकतरफा अनुशासनात्मक

कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। मामला वित्तीय वर्ष 2024-25 में 15वें वित्त मद से पाली जनपद पंचायत की 24 ग्राम पंचायतों में कराए गए कार्यों से जुड़ा है। इन कार्यों में व्यव, भुगतान, गुणवत्ता और निर्धारित प्रक्रियाओं के पालन की जांच कराने की मांग को लेकर जिला प्रशासन से शिकायत की गई थी। जांच के तहत ग्रामसभा की कार्यवाही पंजी, उपस्थिति पंजी, व्यव प्रमाणक, देयक-वाउचर, इनवॉइस बिल, टीडीएस कटौती और जमा राशि से संबंधित अभिलेखों की जांच के साथ भौतिक सत्यापन किया जाना था।



अभिलेख नहीं देने और बयान दर्ज नहीं कराने का आरोप

प्रशासनिक जांच के दौरान

कुछ पंचायत सचिवों द्वारा आधे-अधूरे अभिलेख उपलब्ध कराने, आवश्यक रिकॉर्ड नहीं देने अथवा जांच दल के समक्ष बयान दर्ज नहीं कराने का मामला सामने आया। इस संबंध में जनपद पंचायत पाली के सीईओ ने 3 सितंबर 2026 को उप संचालक पंचायत को अभिमत सहित प्रतिवेदन भेजा था। इसके बाद प्रकरण में कार्रवाई में देरी को लेकर राज्यपाल के राजभवन और छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव तक शिकायत

पहुंचने की बात भी सामने आई। अब जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित सचिवों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा नियमों

के तहत कार्रवाई की चेतावनी

नोटिस में संबंधित सचिवों के कृत्य को उच्च अधिकारियों के निदेशों की अवहेलना, शासकीय कार्य में उदासीनता और लापरवाही बताते हुए छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1999 के तहत कदाचार की श्रेणी में माना गया है। सचिवों से पूछा गया है कि उनके

विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए निलंबन क्यों नहीं किया जाए। सभी संबंधित सचिवों को तीन दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एकतरफा कार्रवाई की जा सकती है। इस मामले में प्रशासनिक कार्रवाई के बाद पंचायत विभाग में हलचल तेज हो गई है। हालांकि, संबंधित सचिवों का पक्ष और जांच के अंतिम निष्कर्ष सामने आने के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

स्मृति ईरानी के दौरे पर दीपक बैज का तंज, BJP की गुटबाजी और महंगाई पर उठाए सवाल



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

छत्तीसगढ़ में बीजेपी की नई प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी के दौरे को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने स्मृति ईरानी के दौरे पर तंज कसते हुए बीजेपी के अंदर

चल रही गुटबाजी को लेकर सवाल खड़े किए हैं। बैज ने पूछा कि क्या स्मृति ईरानी प्रदेश बीजेपी में जारी आपसी खींचतान को खत्म कर पाएंगी? इतना ही नहीं, उन्होंने महंगाई और प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए बीजेपी को उसके पुराने वादों की

याद भी दिलाई। बैज ने शक्कर की कीमत 13 रुपये प्रति किलो और गैस सिलेंडर 400 रुपये में मिलने के वादे का जिक्र करते हुए सवाल किया कि क्या अब जनता को इन कीमतों पर राहत मिलेगी? उन्होंने स्मृति ईरानी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की करीबी और बीजेपी की बड़ी नेता बताते हुए इन वादों को पूरा करने की उम्मीद जताई।

प्रदेश प्रभारी के दौरे पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

छत्तीसगढ़ की राजनीति में स्मृति ईरानी के दौरे के बीच कांग्रेस ने बीजेपी को घेरने का मौका तलाश लिया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रदेश प्रभारी के दौरे पर सवाल उठाते हुए सीधे

बीजेपी के संगठनात्मक हालात पर निशाना साधा। बैज ने पूछा कि क्या स्मृति ईरानी प्रदेश बीजेपी के भीतर चल रही गुटबाजी को कम कर पाएंगी? उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब प्रदेश में बीजेपी संगठन और सरकार की राजनीतिक गतिविधियों पर विपक्ष लगातार नजर बनाए हुए है।

प्रदेश सरकार पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार में डूबे होने का आरोप भी लगाया। इसके साथ ही उन्होंने महंगाई के मुद्दे पर बीजेपी को घेरते हुए पुराने चुनावी वादों की याद दिलाई। बैज ने सवाल किया कि क्या अब शक्कर

13 रुपये किलो और गैस सिलेंडर 400 रुपये में मिलेगा? दीपक बैज ने स्मृति ईरानी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खास और बड़ी नेता बताते हुए तंज कसा कि अगर उनके दौरे से बीजेपी के भीतर की गुटबाजी खत्म होती है और जनता को महंगाई से राहत मिलती है, तो यह देखना अहम होगा। फिलहाल कांग्रेस के इन सवालों ने स्मृति ईरानी के दौरे के राजनीतिक मायने को लेकर चर्चा तेज कर दी है। अब नजर इस बात पर रहेगी कि बीजेपी इन आरोपों पर क्या प्रतिक्रिया देती है और प्रदेश प्रभारी का दौरा संगठन के साथ-साथ सियासी समीकरणों पर कितना असर डालता है।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर,। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से प्रदेश के छह परियोजना-सह-संसाधन केंद्रों के भवन निर्माण को मंजूरी मिली है। राज्य शासन ने इसके लिए कुल 2 करोड़ 70 लाख 90 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रथम किस्त के रूप में 67 लाख 72 हजार 500 रुपये जारी करने पर भी सहमति दी गई है। स्वीकृति के तहत सूरजपुर जिले के भैयाथान और ओडगी, रायगढ़ जिले के तमनार तथा बीजापुर जिले के बीजापुर, उसूर और भोपालपटनम में भवनों का निर्माण किया जाएगा। प्रत्येक भवन के लिए 45 लाख 15 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। महिला



एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, विकास तथा अधिकारों के संरक्षण से जुड़ी विभिन्न योजनाएं संचालित की जाती हैं। परियोजना-सह-संसाधन केंद्र इन योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन, विभागीय समन्वय और सेवाओं की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नए भवन बनने से

विभागीय कार्यों के संचालन के लिए व्यवस्थित आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे विभागीय अमले को योजनाओं के क्रियान्वयन और हितग्राहियों से जुड़े कार्यों में सहूलियत मिलने के साथ ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों तक कल्याणकारी सेवाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी। शासन के निदेशानुसार अगली किस्त जारी करने के प्रस्ताव के साथ पहली किस्त के उपयोग का प्रमाण-पत्र और निर्माण कार्य की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विवरण प्रस्तुत करना होगा। स्वीकृत राशि का उपयोग निर्धारित व्यय सीमा और शासन के नियमों के अनुरूप किया जाएगा।

छठवीं की पिंकी ने सुनाया 30 का पहाड़ा, बच्चों संग दोना-पत्तल में भोजन करने बैठी कलेक्टर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरिया। सोनहत विकासखंड के दूरस्थ गांवों के दौरे पर पहुंची कलेक्टर रोजिता यादव ने शुक्रवार को स्कूलों और शासकीय संस्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। धनपुर में छठवीं की छात्रा पिंकी ने 30 का पहाड़ा सुनाया, वहीं गोयनी में कलेक्टर ने स्कूली बच्चों के साथ दोना-पत्तल में बैठकर भोजन किया। उन्होंने शिक्षकों को बच्चों की प्रतिभा पहचानने और उनके सपनों को साकार करने में सहयोग देने की सीख दी। धनपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कलेक्टर ने विद्यार्थियों से सवाल-जवाब कर उनके शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली। बच्चों के फटे गणवेश देखकर उन्होंने शिक्षकों से जानकारी मांगी और प्रत्येक शनिवार सामान्य ज्ञान पर आधारित गतिविधियां कराने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों का आत्मविश्वास बढ़े।



मध्याह्न भोजन की शिकायत पर जांच

आनंदपुर में ग्रामीणों ने मध्याह्न भोजन संचालन में स्वसहायता समूह की लापरवाही की शिकायत की। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी और एसडीएम को जांच के निर्देश दिए। उप स्वास्थ्य केंद्र में पानी की समस्या दूर करने और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने को कहा। उचित मूल्य दुकान तथा आंगनबाड़ी केंद्र की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।

ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए लगेगा शिविर

गोयनी में ग्रामीणों ने जाति, आय और निवास प्रमाण पत्र बनवाने में परेशानी तथा महतारी वंदन योजना की राशि नहीं मिलने की समस्या बताई। कलेक्टर ने नवंबर के अंतिम सप्ताह या दिसंबर के पहले सप्ताह में विशेष शिविर आयोजित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने किसानों को

एग्रीस्टैक पंजीयन कराने और स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास जल्द पूरा करने की अपील की। कलेक्टर ने ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों से बच्चों को नियमित स्कूल भेजने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों की निगरानी करने को कहा। पंचायत सचिवों और पटवारियों को निर्देश दिए कि शासकीय कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दौरे में टाइगर रिजर्व की संचालक श्वेता कम्बोज, जिला पंचायत सीईओ योगेंद्र श्रीवास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

20 वर्षों से ईसाई धर्म का पालन, अब घर वापसी, बस्तर में धर्मांतरण का मुद्दा फिर चर्चा में

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बस्तर में धर्मांतरण मुद्दा और पारंपरिक आस्था में वापसी से जुड़ा एक और मामला सामने आया है। धानपुरी आमाबाल परगना क्षेत्र के सोनारपाल गांव में करीब 20 वर्षों से ईसाई धर्म का पालन कर रहे एक परिवार के 10 सदस्यों ने अपने मूल धार्मिक और सांस्कृतिक रीति-रिवाजों में वापसी की। इस अवसर पर महारा समाज के पदाधिकारियों, नाईक-पाईक, समाज प्रमुखों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी में पारंपरिक विधि-विधान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना के बाद परिवार के सभी 10 सदस्यों को तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इसके साथ ही उन्हें समाज की पारंपरिक धार्मिक और सांस्कृतिक व्यवस्था में पुनः शामिल किया गया। करीब दो



दशक बाद परिवार की वापसी को लेकर गांव में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के लोगों ने भागीदारी निभाई।

बस्तर में पहले भी सामने आ चुके हैं घर वापसी के मामले

सोनारपाल की घटना ऐसे समय सामने आई है, जब बस्तर संभाग में धर्मांतरण, आदिवासी परंपराओं और धार्मिक पहचान को लेकर लगातार चर्चाएं होती

रही हैं। इससे पहले भी अलग-अलग इलाकों में ईसाई धर्म अपना चुके परिवारों के पारंपरिक आस्था में लौटने के मामले सामने आ चुके हैं। बस्तर के ग्रामीण क्षेत्रों में देवी-देवताओं, देवगुड़ियों, जातीय-सामाजिक परंपराओं और पारंपरिक पूजा-पद्धतियों का सामुदायिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। ऐसे में लंबे समय बाद किसी परिवार की पारंपरिक धार्मिक व्यवस्था में वापसी समाज के स्तर पर भी चर्चा का विषय बनती है।

धर्मांतरण को लेकर कई बार बने तनाव के हालात

बस्तर संभाग में धर्मांतरण का मुद्दा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रहा है। कई स्थानों पर इसे लेकर सामाजिक मतभेद और विवाद भी सामने आए हैं। नारायणपुर, बीजापुर और सुकमा सहित संभाग के अलग-अलग जिलों में धर्मांतरण, अंतिम संस्कार की परंपराओं और ग्रामीण समुदायों के बीच मतभेद को लेकर विवादों की खबरें आती रही हैं। कुछ मामलों में प्रशासन और पुलिस को हस्तक्षेप भी करना पड़ा है। इन घटनाओं के बीच सोनारपाल में एक परिवार के 10 सदस्यों की घर वापसी ने इस विषय को फिर चर्चा में ला दिया है। हालांकि, परिवार ने वापसी का निर्णय किन परिस्थितियों में लिया, इस संबंध में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

तेंदू पेड़ की छांव में लगी चौपाल, दूरस्थ गांवों में कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की बात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरिया। सोनहत विकासखंड के दूरस्थ गांवों रामगढ़, धनपुर, नटवाही, आनंदपुर और गोयनी में शुक्रवार को प्रशासन सीधे ग्रामीणों के बीच पहुंचा। कलेक्टर रोजिता यादव ने कहीं तेंदू के पेड़ के नीचे चौपाल लगाई, तो कहीं गांव में प्रवेश करते ही वाहन रुकवाकर राहगीरों से राशन, पानी और बिजली की स्थिति पूछी। नटवाही, धनपुर और गोयनी में ग्रामीणों ने आवागमन और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी अपनी जरूरतें रखीं। सुबह आठ बजे से शुरू हुए दौरे में गुरु घासीदास-तमोर पिपला टाइगर रिजर्व की संचालक श्वेता



कम्बोज, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी योगेंद्र श्रीवास सहित विभिन्न विभागों के

जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि कार्यालयों में योजनाओं और उनके क्रियान्वयन

की रूपरेखा तैयार होती है, लेकिन उनका लाभ लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं, इसकी वास्तविक जानकारी मैदानी स्तर पर मिलती है। इसी उद्देश्य से अधिकारी दूरस्थ गांवों में पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद कर रहे हैं।

नटवाही-गोपद मार्ग के लिए संयुक्त प्रस्ताव बनाने के निर्देश

ग्राम नटवाही में कलेक्टर ने तेंदू पेड़ के नीचे ग्रामीणों के साथ उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने नटवाही और गोपद के बीच सड़क तथा पुलिया निर्माण की आवश्यकता बताई। इस पर

कलेक्टर ने वन विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को संयुक्त टीम बनाकर आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों को आपसी समन्वय से ग्रामीणों की जरूरत के अनुरूप कार्ययोजना बनाने को कहा।

धनपुर में वाहन रुकवाकर राहगीरों से पूछा हाल

धनपुर पहुंचते ही कलेक्टर ने वाहन रुकवाया और राहगीरों से बातचीत शुरू की। उन्होंने राशन की उपलब्धता, पेयजल आपूर्ति और सोलर बिजली व्यवस्था के बारे में पूछा। ग्रामीण जय सिंह और

फूलसिंह शुरूआत में अपनी बात रखने में संकोच कर रहे थे। सहज बातचीत के बाद उन्होंने गांव की स्थिति और जरूरतों से कलेक्टर को अवगत कराया। कलेक्टर ने बच्चों को पढ़ाई-लिखाई के बारे में भी जानकारी ली और ग्रामीणों से अपनी समस्याएं खुलकर बताने को कहा।

19 घरों तक पानी नहीं पहुंचने की शिकायत

धनपुर में ग्रामीणों ने पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की जानकारी दी। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी से मौके पर वस्तुस्थिति पूछी। बताया गया कि पाइपलाइन में लीकेज के

कारण जलापूर्ति में परेशानी हो रही है। उन्होंने ग्राम पंचायत सचिव को तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने बताया कि लगभग 19 घरों तक पाइपलाइन से पानी नहीं पहुंच रहा है। विभागीय अधिकारी ने इन घरों तक भी जल्द

पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। इसी दौरान गांव की सुक्रिया ने बताया कि पहले उन्हें नदी से पानी लाना पड़ता था, लेकिन जल जीवन मिशन के तहत अब घर में ही नल से पानी मिलने लगा है।

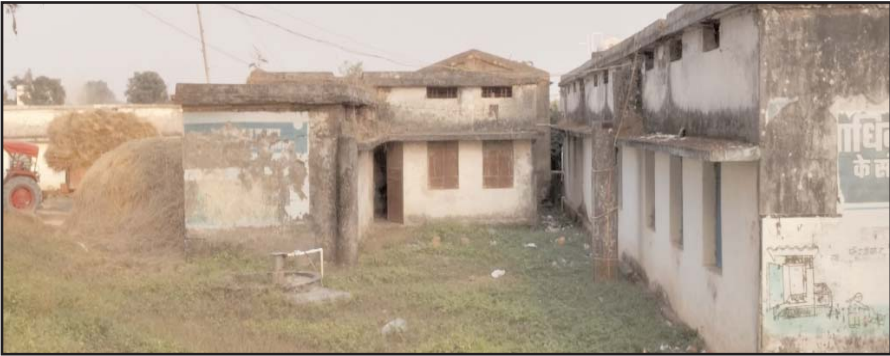
अंतिम छोर के गोयनी में आवागमन और बिजली पर चर्चा

जिले के अंतिम छोर पर बसे ग्राम गोयनी में कलेक्टर ने ग्रामीणों से सड़क, पुल-पुलिया और बिजली सहित अन्य जरूरतों की जानकारी ली। उन्होंने समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रयास करने का आश्वासन दिया और घरों तक बिजली पहुंचाने तथा आवागमन की सुविधाएं बेहतर बनाने के विषय में चर्चा की। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों की मांगों पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

नरोला पंचायत के त्रिकुड़िहा पारा में बदहाल आवा भवन

भगवान भरोसे मासूमों की सुरक्षा, जनप्रतिनिधियों और विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। जिले के ग्राम पंचायत नरोला गांव के नौनिहालों के भविष्य को संवारने और उनके पोषण की जिम्मेदारी उठाने वाला आंगनबाड़ी केंद्र आज खुद बदहाली की दास्तां बया कर रहा है। प्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत नरोला के त्रिकुड़िहा पारा स्थित आंगनबाड़ी भवन करीब दो वर्षों से जर्जर हालत में पड़ा है। दीवारों की उखड़ती परतें, भवन की खराब स्थिति और रखरखाव के अभाव की तस्वीरें सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच की दूरी को उजागर कर रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार, लंबे समय से भवन की स्थिति खराब होने के बावजूद अब तक मरम्मत या



नए भवन की व्यवस्था को लेकर कोई ठोस पहल सामने नहीं आई है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि और संबंधित विभाग किसका इंतजार कर रहे हैं। क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही जिम्मेदारों की नींद खुलेगी आंगनबाड़ी केंद्र महज चार दीवारों वाला

भवन नहीं, बल्कि छोटे बच्चों के पोषण, देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे स्थान की बदहाली को नजरअंदाज करना बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर चिंता का विषय है। सरकार बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और बेहतर भविष्य के लिए योजनाएं चलाती है, लेकिन नरोला

पंचायत के इस आंगनबाड़ी भवन की स्थिति स्थानीय स्तर पर निगरानी और जवाबदेही को लेकर सवाल खड़े करती है। यदि भवन लंबे समय से जर्जर है, तो इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंची या नहीं, निरीक्षण हुआ तो उसके बाद क्या कार्रवाई की गई। ग्रामीणों की मांग है कि संबंधित

अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचकर भवन का निरीक्षण करें, उसकी सुरक्षा का आकलन कराएं और आवश्यकतानुसार मरम्मत अथवा नए भवन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू करें। यदि भवन बच्चों के उपयोग के लिए असुरक्षित पाया जाता है, तो सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। दो साल की बदहाली के बाद अब जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। आखिर नरोला पंचायत के त्रिकुड़िहाया पारा के इस आंगनबाड़ी केंद्र की सुध कौन लेगा। मरम्मत या नए भवन की पहल कब शुरू होगी जिससे नवनिहाल सुरक्षित वातावरण में अपनी प्रारंभिक शिक्षा आंगनबाड़ी में ग्रहण कर सकें।



27 जनवरी से होगी विभागीय परीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। राज्य शासन द्वारा अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए विभागीय परीक्षा माह जनवरी 2027 के तहत विभागीय परीक्षा 27 जनवरी से 03 फरवरी 2027 तक आयोजित किए जाने परीक्षा कार्यक्रम घोषित किया गया है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को उत्तीर्ण होने के लिए 10 प्रतिशत

अंकों तक छूट दिये जाने का प्रावधान है। तत्संबंध में ऐसे परीक्षार्थी अपना जाति प्रमाण पत्र भी आवेदन के साथ उपलब्ध करायेंगे। उक्त संबंध में सर्व संबंधितों को जिले में विभागीय परीक्षा में बैठने के इच्छुक अधिकारियों कर्मचारियों की सूची 20 दिसंबर तक जिला कार्यालय स्थापना शाखा में सूची उपलब्ध कराने को कहा गया है।

वाटरशेड ऑर्गनाइज ट्रस्ट ने 195 किसानों को किया उन्नतशील बीज वितरण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। वाटरशेड ऑर्गनाइज ट्रस्ट संस्था के माध्यम से जलवायु आधारित कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्षेत्र के 195 कृषकों को गेहूं, सरसों एवं सूर्यमुखी के उन्नतशील बीज वितरित किए गए। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को खरी फसलों की उन्नत खेती, फसल उत्पादन बढ़ाने तथा कृषि में जलवायु अनुकूल तकनीकों को अपनाने के संबंध में प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सौ किसानों को 3-3 किलोग्राम उन्नतशील सरसों बीज, 85 को 40-40 किलोग्राम गेहूं बीज एवं 10 किसानों को 1-1 किलोग्राम सूर्यमुखी बीज वितरित किए गए। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को खरी फसलों की खेती के लिए खेत की तैयारी, उचित खाद एवं उर्वरक की मात्रा, बीज बुवाई की सही विधि, सिंचाई प्रबंधन

तथा फसलों में लगने वाले प्रमुख कीट एवं रोगों की पहचान और उनके नियंत्रण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को जलवायु के अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने एवं उपलब्ध संसाधनों का उचित उपयोग कर फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। संस्था का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में तेल वाली फसलों, विशेषकर सरसों एवं सूर्यमुखी के उत्पादन को बढ़ावा देना, किसानों की कृषि आय में वृद्धि करना तथा उन्हें कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। इस पहल से किसानों को उन्नत बीज एवं वैज्ञानिक खेती की जानकारी प्राप्त होगी, जिससे बेहतर उत्पादन और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिलेगा। संस्था द्वारा जलवायु आधारित कृषि के माध्यम से किसानों को जागरूक करने, आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने एवं कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

0 गुणवत्ताविहीन निर्माण कार्य पाए जाने पर भड़की कलेक्टर 0 बोलों- बच्चों के भविष्य से जुड़ा है विद्यालय निर्माण, बर्दाश्त नहीं होगी गुणवत्ता में लापरवाही 0 सम्बन्धितों को शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शनिवार को जिले के विकासखंड प्रतापपुर अंतर्गत निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय एवं छात्रावास का कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पूर्व निरीक्षण जांच में पाई गई कमियों के सुधार की स्थिति की जानकारी ली। निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर प्रयोगशाला, रसोईघर, शौचालय सहित अन्य कक्षों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य की फिनिशिंग एवं गुणवत्ता में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती जमील ने निर्माण कार्य की स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र पाटेल, अनुविभागीय अधिकारी प्रतापपुर रमेश मोर सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि 420 सीटर एकलव्य आवासीय

विद्यालय के निर्माण से क्षेत्र के आदिवासी विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होगी। विद्यालय में आवासीय व्यवस्था के साथ अध्ययन अध्यापन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। साथ ही दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों के विद्यार्थियों को शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकेगा।

सूचना का अधिकार के संचालन हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रभावी एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन तथा आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल के सुचारू संचालन के उद्देश्य से यहां के जनपद सभाकक्ष में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर श्रीमती सूरजपुर रेना जमील के निर्देश पर 23 एवं 24 अक्टूबर को कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों के पदनामित

जन सूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों को सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों तथा ऑनलाइन पोर्टल की प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में जिला मास्टर ट्रेनर व्याख्याता संतोष कुमार उपाध्याय एवं प्रभारी प्राचार्य रमेश कुमार गुप्ता, ब्लॉक मास्टर सीमांचल त्रिपाठी प्रधान पाठक एवं व्याख्याता राजेश कुमार क्रिसोट्टा ने प्रशिक्षणार्थियों को सूचना का अधिकार अधिनियम

के प्रभावी क्रियान्वयन, जन सूचना अधिकारियों की जिम्मेदारियों, आवेदन प्रक्रिया तथा आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल के सुचारू संचालन के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया। गौरतलब है कि प्रशिक्षण का उद्देश्य विभिन्न विभागों में पदनामित जन सूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों को ऑनलाइन व्यवस्था से जोड़ना तथा आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग की प्रक्रिया संपन्न कराना था।

मदननगर में कोयला खदान खोलने का मार्ग हो रहा प्रशस्त

प्रशासन और प्रबंधन के प्रयास से सहमति का मन बना रहे ग्रामीण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ग्राम मदननगर में कोयला खदान खोलने प्रबंधन द्वारा जरूरी औपचारिकता पूर्ण करने प्रयास जारी है, इस बीच प्रबंधन और कंपनी के लगातार जनसंपर्क और समझाइस के बाद बड़ी संख्या में लोगों का रुझान भी खदान खोलने की ओर आया है। प्रबंधन का प्रयास है कि लोगों के आम सहमति से खदान खुले, इसके लिए प्रशासन और प्रबंधन लगातार ग्रामीणों से बातचीत कर रहे। ज्ञात हो कि मदननगर खदान खोलने पिछले कुछ वर्षों से प्रयास जारी है, प्रबंध और ग्रामीणों के लगातार वार्तालाप से अब बड़ी संख्या में लोग खदान खोलने सहमति देने लगे हैं, वहीं भू प्रभावितों को नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया जा रहा, जबकि प्रभावितों को रोजगार उपलब्ध कराने की

दिशा में प्रबंधन आगे बढ़ रहा, ग्रामीणों के प्रतिनिधियों का कहना है कि खदान खोलने वे अपनी आजीविका के साधन को खोना नहीं चाहते, इसलिए



वे केवल पैसें के बजाय जमीन के बदले दूसरी कृषि योग्य जमीन और पुनर्वास की उचित गारंटी की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर प्रशासन के अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित करने का प्रयास किया है। जिससे भूमि अधिग्रहण को नियमानुसार पूरा किया जा सके, प्रशासन और प्रबंधन के लगातार प्रयास से

रोजगार की मांगों को पूरी पारदर्शिता के साथ पूरा करें। जानकारी अनुसार मदननगर खदान खुलने से चार गांव के भू प्रभावित करीब एक हजार से अधिक लोगों को एसईसीएल में रोजगार मिलेगा, जिसमें से करीब 8 सौ नौकरी ग्राम मदननगर के लोगों को मिलना है, इसके साथ ही खदान संचालन प्रारंभ होने पर स्थानीय

लोगों को भी बड़ी संख्या में रोजगार का अवसर मिलेगा। योग्यता और तकनीकी ज्ञान अनुरूप लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने के साथ ही क्षेत्र का विकास भी तेजी से होगा, वहीं रोजगार के साथ परिवहन समेत अन्य तरह के व्यवसाय में भी भारी वृद्धि का अनुमान है। खदान खुलने से गांव का शत प्रतिशत विस्थापन होना है, विस्थापन समेत अन्य कई मुद्दों को लेकर लोगों के मन में कई तरह की आशंका थी, जिला प्रशासन, प्रबंधन द्वारा लोगों की आशंकाओं को दूर कर नियमानुसार मुआवजा, रोजगार और विस्थापन का अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास से लोगों में खदान खोलने सहमति देने वालों के संख्या में तेजी से वृद्धि हुआ है। प्रबंधन का प्रयास है कि गांव के लोग जो अब भी असहमत हैं उन्हें बातचीत के जरिए उनकी

वाजिब मांगों और समस्याओं को निराकृत कर उन्हें भी सहमत किया जा सके। भटगांव क्षेत्र के मदननगर खदान में प्रतापपुर ब्लॉक के चार गांव मदननगर, कनकनगर, चौरा, जगन्नाथपुर के लोग प्रभावित होंगे। प्रारंभ में चौरा जगन्नाथपुर में खदान खोलने को लेकर लगभग आम सहमति थी, मगर मदननगर और कनकनगर में कुछ मामलों को लेकर असहमति की स्थिति निर्मित थी। पुलिस प्रशासन और प्रबंधन के लगातार प्रयास से इन दोनों गांव के लोग भी खदान खोलने को लेकर अब धीरे धीरे अपनी सहमति जताने लगे हैं। वहीं कुछ मामलों को सुलझाने अब भी ग्रामीणों और प्रबंधन के बीच बातचीत जारी है, जिससे उम्मीद की जा रही है कि भविष्य निर्वाह रूप से खदान खोलने का मार्ग प्रशस्त होगा।

पटना कोट में 29 से होगा संभाग स्तरीय करमा नृत्य प्रतियोगिता

0 विजेता टीम को 15 हजार के साथ मिलेंगे आकर्षक सात्वना पुरस्कार 0 विधायक भूलन सिंह बने संरक्षक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विजयादशमी के पावन अवसर पर जनपद रामानुजगढ़ के ग्राम पटना कोट में 29 अक्टूबर। गुरुवार से संभाग स्तरीय करमा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में बाजार मैदान में आयोजित इस प्रतियोगिता में संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से करमा नृत्य दल अपनी पारंपरिक वेशभूषा, साज-सज्जा और लोककला के साथ शामिल होंगे। कार्यक्रम के संरक्षक विधायक भूलन सिंह मरावी, जनपद रामानुजगढ़ के अध्यक्ष गुलाब सिंह तथा ग्राम पंचायत पटना की सरपंच विमला सिंह मरावी

हैं।आयोजन का उद्देश्य पारंपरिक करमा नृत्य, लोकगीत और जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करना तथा नई पीढ़ी को अपनी लोक परंपराओं से जोड़ना है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दलों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम पुरस्कार 15 हजार, द्वितीय 11 हजार, तृतीय 9 हजार, चतुर्थ 5 हजार और पंचम पुरस्कार 3 हजार रुपये नगद के साथ अतिरिक्त सात्वना पुरस्कार भी प्रदान



किए जाएंगे।प्रतियोगिता में पूजा, पोशाक, अनुशासन, नृत्यकला, साज-सज्जा, गायन-वादन, गीत पर प्रश्न और करमा से संबंधित जिज्ञासाओं के आधार पर सौ अंकों का मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक दल को प्रस्तुति के लिए 20 मिनट का समय मिलेगा।

26 से पंजीयन आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता में शामिल दलों को निर्धारित समय से कम से कम एक घंटा पहले उपस्थित होकर पंजीयन कराना होगा। पंजीयन की अंतिम तिथि 26 अक्टूबर तक निर्धारित की गई है। प्रवेश शुल्क 251 रुपये रखा गया है। पंजीयन के लिए फोन-पे नंबर 9926179559 पर विधायक प्रतिनिधि संत कुमार साहू से संपर्क किया जा सकता है। प्रतियोगिता में शराब एवं अन्य मादक पदार्थों का सेवन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। प्रत्येक दल को निर्धारित क्रम में प्रस्तुति देनी होगी तथा निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। आयोजन समिति ने सभी करमा नृत्य दलों से पारंपरिक वेशभूषा और पूरे साज-सज्जा के साथ प्रतियोगिता में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया गया है।

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर (केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in			
निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।			
स.क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक / दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	201948 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जिला सूरजपुर के विकासखण्ड ओडगी के मुख्य मार्ग चोंगा से भोड़वानीपारा होते हुए मौहारीपारा तक पहुंच मार्ग लं. 4.20 कि.मी. (वास्तविक लं. 2.20 कि.मी.) पुल —पुलिया सहित निर्माण कार्य।	518.87
2	201988 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	नवा रायपुर के सेक्टर —24 स्थित लोक भवन एवं मंत्री बंगलों में डी. जी. सेट की सफाईनिंग, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग कार्य।	390.33
3	202050 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	लोक निर्माण विभाग वि./यां. संभाग बिलासपुर के उपसंभाग बिलासपुर अंतर्गत जेल परिसर में विद्युतीकरण एवं सब स्टेशन तथा बाह्य विद्युतीकरण कार्य।	478.52
4	201958 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	नवा रायपुर के सेक्टर —24 राजमवन (लोक भवन) सेक्टरिटी सिस्टम , सफाईनिंग, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग कार्य।	760.72
5	202131 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	नवा रायपुर के सेक्टर —24 राजमवन (लोक भवन) आडियो विडियो सिस्टम , सफाईनिंग, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग कार्य।	461.07
6	201928 द्वितीय आमंत्रण 15.10.2026	जिला रायपुर के जौदा से चम्पारण मार्ग लंबाई 5.00 कि.मी. में सुदृढीकरण निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित।	493.86
7	201936 द्वितीय आमंत्रण 15.10.2026	जिला महासमुंद के उपसंभाग क्रमांक 1 महासमुंद अंतर्गत महासमुंद — भलेसर —कनेक्शन— महादेव घाट मार्ग लंबाई 1.40 कि.मी. निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित।	251.39
8	201939 द्वितीय आमंत्रण 15.10.2026	लोक निर्माण विभाग, वि./यां. उपसंभाग बिलासपुर अंतर्गत जिला बिलासपुर के कोनी मोपका बायपास मार्ग में विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर विस्थापन के कार्य हेतु।	222.73
9	201940 दसवां आमंत्रण 15.10.2026	जिला दन्तेवाड़ा के बुरगम—समेली मार्ग के कि.मी. 3/6 मलनेर नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	367.10
10	201963 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जिला कोणार्गव के मर्दापाल में शासकीय महाविद्यालय भवन निर्माण कार्य, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण सहित कार्य।	453.98
11	201964 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जिला दन्तेवाड़ा के पालनार—फूलपाड़—जूनापारा मार्ग लंबाई 4.50 कि. मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य, शेष कार्य।	226.05
12	202081 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जिला रायपुर (गरियाबंद) के सिलयारी बाहरा से संतोषपुरी धाम ग्राम पंचायत पतौरा गनियारी क्षेत्र में पहुंच मार्ग लंबाई 4.00 कि.मी. का निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित।	674.10
13	202087 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जिला रायगढ़ के दनौट— कया—कमतारा मार्ग में मर्दन नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	343.40
14	202091 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जमा मद के अंतर्गत जिला बिलासपुर से सेंदरी में राज्य मानसिक चिकित्सालय में 100 बिस्तरीय से 200 बिस्तरीय में उन्नयन का निर्माण कार्य।	1954.80
15	202096 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जमा मद के अंतर्गत चिकित्सा महाविद्यालय रायगढ़ के चिकित्सालय भवन में लघु निर्माण के अंतर्गत भवन के आंतरिक भाग में प्रसाधन कक्ष, सेनेटरी पाईप लाईन आदि का जीर्णोद्धार/ मरम्मत कार्य।	717.11
16	202101 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	जिला बस्तर के मां दन्तेश्वरी एयरपोर्ट जगदलपुर एयर स्ट्रीप में डायाडिंग क्वालिटी इम्प्रूवमेंट (फिरेडिक र्सीनल) के निर्माण कार्य।	2150.44
17	202114 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	शासकीय पॉलीटेक्निक सुकमा में 50 सीटर बालक छात्रावास, अधीक्षक के लिए एफ टाईप क्वार्टर, भूतल (ग्राउंड फ्लोर) पर आंगवृत्त कक्ष , विद्युतीकरण सहित बाउंड्री वॉल, जलापूर्ति— सेनेटरी फिटिंग और 150 मीटर लंबाई में सी.सी. सीमेंट कांकीट पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	208.72
18	202121 प्रथम आमंत्रण 15.10.2026	शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायगढ़ में 50 रुम्स इंस्टॉल बॉयज भवन निर्माण कार्य। जमा मद।	703.69
निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सं.क्र. 09 दिनांक 27.10.2026, सं.क्र. 18 दिनांक 11.11.2026, सं.क्र. 06 सं.क्र. 08 दिनांक 02.11.2026 निर्धारित है एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 06.11.2026 निर्धारित है। निविदा में माग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते हैं।			
मुख्य अभियन्ता केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ कार्यालय प्रमुख अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर			
जी-262704159/3			

काल बनकर आई रफ्तार, सड़क हादसों ने छीने 4 चिराग, एक घायल

छ.ग.फ़ंटलाइन अंबिकापुर। जिले में सड़क हादसों में 4 लोगों की मौत हो गई। कार की टक्कर से बुजुर्ग की वहीं पिकअप की टोकर से एक की मौके पर हुई

मौत के बाद दूसरे दोस्त ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना में एक मृतक की पत्नी भी घायल हुई है, जिसका उपचार चल रहा है। एक अन्य घटना में

अज्ञात वाहन का चालक एक किशोरी को टोकर मारकर भाग गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। तीनों मामले में पुलिस ने मर्ग कायम करके

मृतकों के शव का पोस्टमार्टम कराया है। जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार पिकअप वाहन के चालक ने बाइक सवार तीन लोगों को चपेट में ले लिया। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस के मुताबिक, बलरामपुर जिला के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम गोपालपुर के रूपलाल यादव पिता स्व. बैजनाथ यादव 32 वर्ष का छोटा भाई मनीष यादव, शिवकुमार और राजकुमारी 23 अक्टूबर को

टुकड़ांड से मोटरसायकल में अपने घर वापस गोपालपुर आ रहा था। ग्राम करसी के पास राजपुर की ओर से आ रही पिकअप क्रमांक यूपी 64 सीटी 4289 के चालक ने शाम करीब 6.30 बजे तेजगति में लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए गलत साइड में आकर बाइक को सामने से टोकर मार दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों सड़क पर गिर गए। मनीष यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शिवकुमार और राजकुमारी बेहोश हो गए। घायलों को निजी वाहन से प्रतापपुर अस्पताल ले जाया गया। घायल

बाइक के पास खड़ी किशोरी को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत
सूरजपुर जिला के बिश्रामपुर थाना अंतर्गत ग्राम बरील निवासी अंजली प्रजापति पिता शिवशंकर 14 वर्ष की अज्ञात वाहन की टोकर से मौत हो गई। मुक्तिका दशहरा के दिन 20 अक्टूबर को अपने चाचा सीताराम प्रजापति के साथ बाइक से भटगांव में दशहरा मेला देखने के लिए जा रही थी। खोपा मार्ग में वेल्लिंग दुकान के पास सीताराम ने बाइक रोका और लघुशुका के लिए चले गया। अंजली बाइक के पास ही खड़ी थी और अपने चाचा के आने का इंतजार कर रही थी। इसी बीच अज्ञात वाहन का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए पल्सर मोटरसायकल क्रमांक सीजी 10 डीजे 6808 को टक्कर मारते किशोरी को चपेट में ले लिया, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी। घटना में बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। बाइक से ही उसे बतरा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे, यहां से रिफर करने पर डॉयल 112 से सूरजपुर लेकर स्वजन पहुंचे, यहां से प्राथमिक जांच और उपचार के बाद चिकित्सक ने बेहतर उपचार के लिए बालिका को रिफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

शिवकुमार पिता ठिभू राम 35 वर्ष को भी प्राथमिक चिकित्सा के बाद रिफर करने पर स्वजन मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल

अंबिकापुर में भर्ती कराए थे, यहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। प्रतापपुर थाना पुलिस ने मामले में अज्ञात पिकअप चालक

के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 125(ए) और 106(1) के तहत मामला पंजीबद्ध किया है।

सीएमएचओ ने स्वास्थ्य संस्थाओं का शाम को औचक निरीक्षण किया

अधिकारी-कर्मचारियों को मुख्यालय में रहकर निर्धारित समय पर कर्तव्यस्थल पर उपस्थित रहने के निर्देश

छ.ग.फ़ंटलाइन बलरामपुर। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं संस्थागत व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह द्वारा शुक्रवार 23 अक्टूबर को विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का शाम के समय औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरियों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन, कर्मचारियों की उपस्थिति एवं कार्यप्रणाली का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं तथा अधिकारी-कर्मचारियों की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थाओं में पदस्थ समस्त अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे अपने निर्धारित मुख्यालय में रहकर निर्धारित समय पर अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित रहें तथा शासन द्वारा संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं विभिन्न राष्ट्रीय



स्वास्थ्य कार्यक्रमों का जिम्मेदारीपूर्वक एवं संवेदनशीलता के साथ क्रियान्वयन तथा स्वास्थ्य संस्थाओं में बेहतर कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि, ग्रामीण

एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य संस्थाएं आम नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण आधार हैं। ऐसे में स्वास्थ्य संस्थाओं में चिकित्सकीय एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना सभी अधिकारी-कर्मचारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों को समय पर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने

नोटिस जारी करने के निर्देश
औचक निरीक्षण के दौरान जो अधिकारी-कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, उनके संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। सीएमएचओ ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य संस्थाओं में अधिकारी-कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति एवं अपने दायित्वों का निर्वहन स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता से सीधे जुड़ा हुआ है। कार्य में लापरवाही अथवा अनधिकृत अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने सभी को कहा कि कर्तव्य के प्रति सजग रहते हुए शासन की मंशानुरूप आमजन को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं। स्वास्थ्य संस्थाओं में आने वाले मरीजों के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करें।

विसर्जन दौरान गंडासा और कड़ा से हमला, डीजे को लेकर बनी विवाद की स्थिति
छ.ग.फ़ंटलाइन अंबिकापुर। थाना दरिमा क्षेत्र के ग्राम दरिमा में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे साइड में लगाने की बात को लेकर दो मोहल्लों के युवकों में जमकर मारपीट हो गई। मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में अपराध दर्ज कराया है। जानकारी के मुताबिक, रितिक सिंह पिता नंदकुमार सिंह निवासी दरिमा ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 21 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे वह अपने दोस्तों शिव सिंह, ऋषभ सिंह, अविनाश सिंह, रविशंकर सिंह और गांव के अन्य लोगों के साथ ग्रामीण बैंक चौक पर विसर्जन में शामिल होने गया था, तभी इद्रानगर मोहल्ला के दुर्गा पूजा विसर्जन वाले राहुल नायक, अतुल नायक, संदीप नायक उर्फ ढोला, रोहन नायक, रोहित नायक, दीप नायक उर्फ खोला, अनमोल नायक और तुरना निवासी धन नायक व अन्य पहुंचे और गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। आरोप है कि, सभी ने मिलकर रितिक और उसके दोस्तों शिवशंकर सिंह, रवि, अविनाश, ऋषभ के साथ हाथ-पुष्का, लात से मारपीट की। बीच-बचाव करने आए पिता नंदकुमार सिंह को भी पीट दिया। संदीप उर्फ ढोला लोहे का गंडासा दिखाकर मारने की धमकी दे रहा था, जबकि मुंह ढंककर अतुल नायक ने कड़ा से हमला किया। मारपीट में रितिक और उसके दोस्त रविशंकर को चोटें आई हैं।

दूसरे पक्ष ने भी कराया एकआईआर
दूसरे पक्ष के पृथ्वी नायक उर्फ राहुल पिता जय कुमार नायक 24 साल निवासी इद्रानगर ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि घटना दिनांक की रात 10 बजे ग्रामीण बैंक चौक पर रितिक सिंह, ऋषभ सिंह, संदीप सिंह, ओमकार सिंह, मितुल यादव, अभिषेक दास, रविशंकर सिंह ने डीजे साइड करने की बात पर गाली-गलौज करके हाथ-मुक्का, डंडे से मारपीट की। बीच-बचाव करने आए भाई अंकुश नायक, दीप नायक, अतुल नायक, रोहन नायक और भांजे सावन सागर को भी पीटा। दरिमा पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर बीएनएस की धारा के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

शासन की योजनाएं एवं नीतियां तैयार करने में जनगणना की महत्वपूर्ण भूमिका

जनगणना के द्वितीय चरण अंतर्गत चार्ज अधिकारियों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

छ.ग.फ़ंटलाइन अंबिकापुर। डिजिटल जनगणन 2027 के द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना कार्य) का जिला स्तरीय प्रशिक्षण शनिवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में संभागायुक्त की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें जिले भर से आए चार्ज अधिकारी तहसीलदार/सीएमओ उपस्थित थे। इस मौके पर संभागायुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने कहा द्वितीय चरण की जनगणना में सावधानीपूर्वक प्रविष्टि दर्ज की जाए, ताकि जनगणना कार्य में कोई व्यक्ति एवं घर छूट न जाए, उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं एवं नीतियां तैयार करने में जनगणना के आंकड़ें महत्वपूर्ण होते हैं। अतः सभी चार्ज अधिकारी संवेदनशील होकर कार्य करें और उन्हें जनगणना के निर्देशों की पूरी जानकारी हो। इससे जुड़े सभी



अधिकारी जनगणना निर्देश पुस्तिका का गहनता से अध्ययन कर लेंगे। कोई भी शंका हो उसका समाधान अवश्य कर लें, ताकि मास्टर ट्रेनर्स द्वारा कोई भी सवाल पूछा जाए तो उसका समाधान कारक उत्तर दिया जा सके। संभागायुक्त ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि, जनगणना के द्वितीय चरण में प्रणालियों द्वारा घर-घर जाकर प्रविष्टि दर्ज की जाएगी। अतः वे सही-सही जानकारी दर्ज करेंगे। कमिश्नर ने कहा कि सरगुजा संभाग में प्रथम चरण की जनगणना में बेहतर काम हुआ है, उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि द्वितीय

चरण में भी अच्छा कार्य हो। प्रदेश के जनगणना निदेशालय नवा रायपुर से आए मास्टर ट्रेनर्स द्वारा कम्प्यूटर आधारित प्रस्तुतिकरण (पीपीटी) के माध्यम से चार्ज अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर प्रताप विजय खेस्रस, अनुविभागीय दण्डाधिकारी अधिकारी अंबिकापुर बन सिंह नेताम, उदयपुर रामराज सिंह, सीतापुर प्राची ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर प्रिंसी तम्बोली, सुष्मिता टोंडे, सहित तहसीलदार एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित थे।

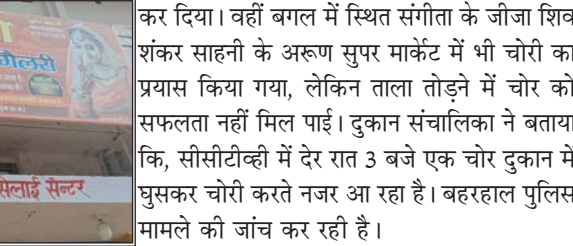
मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों की बैठक, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने पर जोर

छ.ग.फ़ंटलाइन भैयाथान। विधानसभा क्षेत्र भटगांव क्रमांक-05 अंतर्गत शनिवार को अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय भैयाथान में एसडीएम अजय मोडियम की अध्यक्षता में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यक्रम के साथ नए मतदान केंद्र भवनों के स्थल परिवर्तन एवं मतदान केंद्रों के विलोपन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में नए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने तथा उन्हें मतदान के प्रति जागरूक और प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया गया। एसडीएम ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से इस कार्य में सक्रिय सहयोग करने की अपील की, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मतधिकार से वंचित न रहे। वहीं, वर्तमान मतदाता सूची का मिलान कर छूटे हुए मतदाताओं की पहचान करने के लिए बृथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर सर्वेक्षण एवं नाम जोड़ने की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। बैठक में मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने और अधिक से अधिक पात्र नागरिकों का नाम सूची में शामिल करने पर जोर दिया गया। इस दौरान जनपद पंचायत उपाध्यक्ष राजीव प्रताप सिंह, मंडल अध्यक्ष सुनील साहू, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विधात्री सिंह देव, शांतनु सिंह, तहसीलदार उमेश कुमार कुशवाहा, नायब तहसीलदार प्रियंका टोप्पो सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्रृंगार दुकान का ताला तोड़कर 30 हजार नकद पार, सुपर मार्केट का ताला नहीं तोड़ पाया चोर



छ.ग.फ़ंटलाइन अंबिकापुर। बीती रात अज्ञात चोर ने नमनाकला रिंग रोड में स्थित श्रृंगार व गिरफ्ट गैलरी का ताला तोड़कर काउंटर में रखा 30 हजार रुपये नकद पार कर दिया, वहीं बगल में स्थित अरूण सुपर मार्केट में चोरी करने की नीयत से ताला तोड़ने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हुए। चोरी की करतूत सीसीटीवीही में कैद हुई है। पुलिस मामले में अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है। जानकारी के मुताबिक, कोतवाली थाना क्षेत्र के नमनाकला रिंग रोड में खटिकपारा से लगा संगीता साहनी का साहनी श्रृंगार और गिफ्ट गैलरी व सृष्टि लेडिज सिलाई सेंटर दुकान है। रोजाना की भांति दुकान बंद करके संचालिका अपने घर चले गई थी। सुबह दुकान पहुंची तो पाता चला कि शटर का दो ताला तोड़कर चोर ने 30 हजार रुपये नकद पार



कर दिया। वहीं बगल में स्थित संगीता के जीजा शिव शंकर साहनी के अरूण सुपर मार्केट में भी चोरी का प्रयास किया गया, लेकिन ताला तोड़ने में चोर को सफलता नहीं मिल पाई। दुकान संचालिका ने बताया कि, सीसीटीवीही में देर रात 3 बजे एक चोर दुकान में घुसकर चोरी करते नजर आ रहा है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीढ़ियों से लाल पानी पीने को मजबूर ग्रामीणों की सुध ली विधायक ने



छ.ग.फ़ंटलाइन सीतापुर। मैनपाट के सुदूर गांव दांतीढाब के ग्रामीणों की पीढ़ियों पुरानी लाल पानी की समस्या खत्म होने जा रही है। सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो के प्रयासों से गांव में वॉटर फिल्टर प्लांट की सुविधा मिलने से ग्रामीणों को अब स्वच्छ पेयजल नसीब होगा। विधायक मैनपाट मंडल के ग्राम नर्मदापुर अंतर्गत आश्रित गांव दांतीढाब पहुंचे और ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि वे पीढ़ियों से आयरन युक्त लाल पानी पीने को मजबूर हैं, जिससे कई बीमारियों का खतरा बना रहता है। इस पर विधायक ने कहा, उनका लक्ष्य है कि अगले 5 साल में विधानसभा का कोई भी गांव सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन के संकल्प का जिक्र करते हुए कहा कि अब ग्रामीण खुलकर अपनी समस्याएं बता रहे हैं और उनका समाधान हो रहा है। उन्होंने कहा कि, 2023 के बाद से सीतापुर विधानसभा के दूरस्थ इलाकों में सड़क, बिजली, पानी जैसी सुविधाओं का विस्तार तेजी से हुआ है। दांतीढाब में फिल्टर प्लांट लगाने से इस दिशा में बड़ी राहत मिलेगी। इस दौरान भाजपा मंडल पदाधिकारी अनिल सिंह, धीरन सिंह, कुंजबिहारी गुप्ता, मोहित नामदेव, उप संपर्क सोनू अग्रवाल, नंदकुमार मोदी सहित युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।